संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 108
पृष्ठ 8
रविवार
05 जनवरी 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित   Email : shaharsamta@gmail.com   Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- लंग्स कैंसर के....
विचार- केजरीवाल ने लिया....
खेल- पंत ने तोड़ा ५० साल....

ग्रामीणों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना प्राथमिकता- मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि ग्रामीण भारत के लोगों के लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करना उनकी सरकार की प्राथमिकता है और इसलिए हर गांव में बुनियादी सुविधाओं की गारंटी के लिए अभियान शुरू किया गया है। प्रधानमंत्री ने नाबार्ड द्वारा यहां आयोजित चार दिवसीय ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन करते हुए कहा,"हमारा लक्ष्य गांवों को विकास और अवसर के जीवंत केंद्रों में बदलकर ग्रामीण भारत को सशक्त बनाना है। हमारी सरकार की मंशा, नीतियां और निर्णय ग्रामीण भारत को नई ऊर्जा के साथ सशक्त बना रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि आज भारत सहकारिता के माध्यम से समृद्धि प्राप्त करने में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष की शुरुआत में ग्रामीण भारत महोत्सव का भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा की झलक और उसकी पहचान बना रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हममें से जो लोग गांवों में पैदा हुए और पले–बढ़े हैं, वे गांवों की क्षमता को जानते हैं। उन्होंने कहा कि गांव की आत्मा भी गांवों में रहने वालों में बसती है। उन्होंने कहा कि जो लोग गांवों में रहे हैं, वे गांव का सच्चा जीवन जीना भी जानते हैं। उन्होंने कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उनका बचपन एक छोटे से शहर में साधारण परिवेश में बीता। बाद में जब वे शहर से बाहर निकले तो उन्होंने ग्रामीण इलाकों में भी समय बिताया। प्रधानमंत्री ने कहा,"मैंने कठिनाइयों का अनुभव किया है और गांवों की संभावनाओं से भी वाकिफ हूं।" उन्होंने कहा कि बचपन से ही उन्होंने देखा है कि गांव के लोग मेहनती तो होते हैं, लेकिन पूंजी की कमी के कारण वे सही अवसरों से चूक जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में ग्रामीणों की अलग–अलग क्षमताएं होने के बावजूद वे अपनी बुनियादी सुविधाओं को पूरा करने की चाहत में खो जाते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि किसानों के सामने प्राकृतिक आपदाएं, बाजार तक पहुंच की कमी जैसी कई चुनौतियां हैं।

श्री मोदी ने कहा कि यह सब देखने के बाद उन्होंने अपने मन को दृढ़ किया और चुनौतियों से निपटने के लिए प्रेरित हुए। आज ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्य गांवों से मिली सीख और अनुभवों से प्रेरित हैं। वह 2014 से लगातार ग्रामीण भारत की सेवा में लगे हुए हैं। उनका लक्ष्य एक सशक्त ग्रामीण भारत सुनिश्चित करना, ग्रामीणों को पर्याप्त अवसर प्रदान करना, पलायन को कम करना और गांवों के लोगों के जीवन को आसान बनाना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक गांव में एक कार्यक्रम लागू किया है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर में शौचालय उपलब्ध कराया गया, ग्रामीण भारत में करोड़ों लोगों को पीएम आवास योजना के तहत पक्के घर दिए गए और जल जीवन मिशन के जरिए गांवों में लाखों घरों में सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल सुनिश्चित किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज 1.5 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। डिजिटल तकनीकों की सहायता से टेलीमेडिसिन ने गांवों में सर्वश्रेष्ठ डॉक्टरों और अस्पतालों का विकल्प सुनिश्चित किया है। ई–संजीवनी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के करोड़ों लोगों को टेलीमेडिसिन का लाभ मिला है। श्री मोदी ने कहा कि कोविड–19 महामारी के दौरान, दुनिया को आश्चर्य हुआ कि भारत के गांव कैसे सामना करेंगे। हालांकि, सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि टीके हर गांव में अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ग्रामीण समाज के हर वर्ग पर विचार करने वाली आर्थिक नीतियां बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्हें खुशी है कि पिछले 10 वर्षों में सरकार ने गांव के हर वर्ग के लिए विशेष नीतियां बनाई हैं ।

मुर्मु ने कर्नाटक में केन्द्र सरकार के ठोस प्रयासों की सराहना की

बेलगावी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने स्वास्थ्य देखभाल पहुंच और सामर्थ्य में सुधार के लिए केन्द्र सरकार के ठोस प्रयासों , विशेष रूप से आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना पर प्रकाश डाला है। श्रीमती मुर्मु बेलगावी में एक अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल के उद्घाटन अवसर पर संबोधित कर रही थी। श्रीमती मुर्मु ने लाखों भारतीयों, खास तौर पर कम आय वर्ग के लोगों के लिए कैंसर के इलाज की सुलभता बढ़ाने में इस योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव पर जोर दिया। उन्होंने शुक्रवार देर शाम को कहा, ष्आयुष्मान भारत के तहत हमने कैंसर के निदान और उपचार की शुरुआत के बीच के समय में उल्लेखनीय कमी देखी है जिससे समय पर हस्तक्षेप सुनिश्चित होता है जो बेहतर परिणामों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा योजना के कवरेज में 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करने से बुजुर्गों को कैंसर देखभाल सहित किफायती स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचने में सहायता और मजबूत होगी। अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित नवनिर्मित कैंसर अस्पताल एक ही छत के नीचे व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए तैयार है। अस्पताल की उन्नत उपचार सुविधाएँ कैंसर के त्वरित और सटीक उपचार को सुनिश्चित करेंगी। इसके अलावा, इससे पीड़ित मरीजों के लिए आशा की किरण प्रदान करेंगी। उन्होंने कहा, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को इलाज से ज्यादा कुछ देना चाहिए, उन्हें उम्मीद और भरोसा देना चाहिए और रोगियों तथा उनके परिवारों का मनोबल बढ़ाने में अहम भूमिका निभानी चाहिए। राष्ट्रपति ने कैंसर की वैश्विक चुनौती को भी दोहराया और 2022 में अनुमानित दो करोड़ नए कैंसर के मामलों और 97 लाख कैंसर से संबंधित मौतों की ओर इशारा किया। देश में 2025 तक कैंसर की घटनाओं में 13 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है जो विशेष कैंसर देखभाल सुविधाओं और सेवाओं के विस्तार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। श्रीमती मुर्मु ने कैंसर की रोकथाम, समय पर पहचान और समय पर उपचार के बारे में जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बीमारी से लड़ने में समाज की सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के महत्व पर भी प्रकाश डाला और परिवारों से महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने तथा उनके लिए समय पर निदान एवं उपचार सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

केजरीवाल पर खूब बरसे अमित शाह, बोले- कहते थे सरकारी बंगला नहीं लेंगे, जनता के पैसों से बनवा लिया शीशमहल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि उन्होंने दिल्लीवासियों के पैसे से शीश महल बनाया और उन्हें राष्ट्रीय राजधानी के लोगों को हिसाब देने की जरूरत है। एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि कुछ बच्चे मुझसे मिलने मेरे घर आये। मैंने उनसे पूछा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के लिए क्या किया है। एक बच्चे ने बताया कि उसने अपने लिए एक बड़ा शीश महल बनवाया है। अमित शाह ने आगे कहा कि जब अरविंद केजरीवाल राजनीति में आए, तो कहा करते थे कि वह सरकारी गाड़ी या सरकारी बंगला नहीं लेंगेय आज उन्होंने दिल्लीवासियों के पैसे से शीश महल बनवाया। केजरीवाल जी, आपको दिल्ली की जनता को हिसाब देना होगा। शाह ने कहा, श्जब वह राजनीति में आए थे तो कहा करते थे कि वह सरकारी गाड़ी या सरकारी बंगला नहीं लेंगे। आज उन्होंने दिल्लीवासियों की 45 करोड़ रुपये

की 50 हजार गज जमीन पर अपने लिए शीशे का महल बना लिया। केजरीवाल जी, आपको दिल्ली की जनता को जवाब देना होगा। नए कामकाजी महिला छात्रावास ब्लॉक श्सुषमा भवनश का आज केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उद्घाटन किया। छात्रावास का नाम पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वाराज के नाम पर रखा गया है। वहीं, दिल्ली की मुख्यमंत्री भी रही थी। उद्घाटन कार्यक्रम को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सुषमा जी को पार्टी की महान नेताओं में से एक के रूप में सदैव याद किया जाएगा। भारत के राजनीतिक इतिहास में – वह उन नेताओं में से एक हैं जो एनडीए 1 और एनडीए 2 के दौरान मंत्री थीं और वह भी महत्वपूर्ण विभागों मेंय लेकिन उन्हें केवल एक मंत्री के रूप में नहीं बल्कि विपक्ष के नेता के रूप में याद किया जाएगा।

कन्हैयालाल स्मृति साहित्य सम्मान 2025(रजि.)

हिंदी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं पर यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2025 तक भेजें। भेजें। 2022, 2023, 2024 तक प्रकाशित रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएं पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तारीख 1 फरवरी 2025 है।

पता–'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

भाजपा सांसद अभिजीत गांगुली, कार ओवरटेक करने को लेकर विवाद

नई दिल्ली। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि तनावपूर्ण टकराव हुआ, सुप्रियो ने खतरनाक ड्राइविंग के बारे में मुखर रूप से चिंता व्यक्त की। घटना के वीडियो में पुल पर चल रहे नाटकीय घटनाक्रम के दौरान अभिजीत गांगुली के वाहन के पास भारी भीड़ दिखाई दे रही है। मामला तब और बढ़ गया जब सुप्रियो ने गांगुली पर झगड़े के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। नाराज सुप्रियो ने औपचारिक माफी की मांग करते हुए कहा कि ऐसा व्यवहार अस्वीकार्य है। कोलकाता के प्रतिष्ठित सेकेंड हुगली ब्रिज पर रात एक राजनीतिक ड्रामा देखने को मिला, जब बंगाल के मंत्री बाबुल सुप्रियो और बीजेपी सांसद अभिजीत गांगुली आपस में उलझ गए। यह घटना तब हुई जब सुप्रियो हावड़ा स्थित अपने आवास पर वापस जा रहे थे, जब उनके पीछे वाली कार से लगातार हॉर्न बजने से वह नाराज हो गए।

परमाणु वैज्ञानिक आर. चिदंबरम का मुंबई में निधन, मोदी ने जताया शोक

मुंबई। पोखरण परमाणु परीक्षण में अहम भूमिका निभाने परमाणु वैज्ञानिक एवं केन्द्र सरकार के पूर्व प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को मुंबई के जसलोक अस्पताल में निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉ. चिदंबरम ने जसलोक अस्पताल में तड़के तीन बजकर 20 मिनट पर अंतिम सांस ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ चिदंबरम के निधन से गहरा दुख व्यक्त किया है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट किया, "डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन से बहुत दुख हुआ। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख शिल्पियों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और सामरिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें पूरा देश कृतज्ञता के साथ याद करेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेंगे। " आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने वैज्ञानिक डॉ चिदंबरम के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक भावुक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, " भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग का नेतृत्व करने वाले और हथियारों के विकास में अहम भूमिका निभाने वाले प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक राजगोपाल चिदंबरम के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ. दो परमाणु परीक्षणों में चिदंबरम की भूमिका यादगार थी, मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और उनके प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।" डॉ. चिदंबरम का जन्म 11 नवंबर, 1936 को चेन्नई में हुआ था। उन्हें भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम में प्रमुख भूमिका के लिये जाना जाता है। उन्होंने 1975 में पोखरण–1 और 1998 में पोखरण–2 के परमाणु परीक्षणों में अहम भूमिका निभाई थी। डॉ. चिदंबरम ने केन्द्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (2001–2018), भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के निदेशक (1990–1993), परमाणु ऊर्जा आयोग के अध्यक्ष और भारत सरकार के सचिव, डीएई (1993–2000) समेत कई प्रतिष्ठित पदों पर अपनी सेवायें दीं।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही हैं एक्टिव मोड में रहने वाले महाराष्ट्र के एकमात्र मंत्री, सुप्रिया सुले का बयान

मंबई। हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर तारीफ की है। मोदी ने ये तारीफ सुदूर और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को आगे बढ़ाने के लिए की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सराहना किए जाने के बाद मुख्यमंत्री के दो राजनीतिक विरोधियों, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) की सुप्रिया सुले ने भी बयान दिया है।

इस बार सुप्रिया सुले ने देवेंद्र फडणवीस पर निशाना नहीं साधा है बल्कि उनकी तारीफ की है। नए साल की शुरुआत में देवेंद्र फडणवीस की गढ़चिरौली की यात्रा की प्रशंसा की है। वहीं यूबीटी सेना के मुखपत्र सामना ने फडणवीस की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने ष्उस नक्सल प्रभावित जिले में विकास का एक नया युग शुरू किया। सुप्रिया सुले ने कहा, ष्यह दिवंगत आरआर पाटिल के राज्य के गृह मंत्री रहते हुए ही गढ़चिरौली में विकास कार्य की शुरुआत हुई थी। यह देखना अच्छा है कि फडणवीस उस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। सुले ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल में फडणवीस एकमात्र मंत्री हैं, जो सरकार गठन के पहले दिन से ही एक्शन मोड में दिखते हैं.. कोई अन्य मंत्री अभी तक सक्रिय नहीं दिख रहा है। इसी बीच राकांपा विधायक छगन भुजबल ने भी देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

'दिसम्बर माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच हैदराबाद इकाई की जिलाध्यक्ष रीना प्रदीप कुमार जी को दिया जाएगा'

प्रयागराज । हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान दिसम्बर 2024 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी हैदराबाद इकाई की जिलाध्यक्ष रीना प्रदीप कुमार जी को दिया जाएगा। रीना प्रदीप कुमार जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

5.51 करोड़ रुद्राक्ष, 11,000 त्रिशूल से होगा द्वादश ज्योतिर्लिंग का भव्य शृंगारय पहली बार होगा ये काम

प्रयागराज। प्रयागराज के मेला क्षेत्र के सेक्टर–छह स्थित बजरंगदास मार्ग पर मौनी बाबा का भव्य शिविर तैयार हो रहा है। यहां 5.51 करोड़ रुद्राक्ष और 11,000 त्रिशूल से द्वादश ज्योतिर्लिंग का भव्य शृंगार किया जाएगा। इसके साथ ही 108 हवन कुंड में 125 करोड़ आहुति और 11 करोड़ वैदिक मंत्र से संगम नगरी गुंजायमान होगी। गौरीगंज, अमेठी से आए बाल ब्रह्मचारी स्वामी अभय चौतन्य फलाहारी उर्फ मौनी बाबा महाराज बताते हैं, महाकुंभ भव्य और आस्था से परिपूर्ण हो, इस संकल्प के साथ 10,000 गांवों की पैदल यात्रा करके यहां आए हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की संकल्प को लेकर विशेष यज्ञ की भी तैयारी है। बाबा ने बताया कि शिविर में बनाए जा रहे द्वादश ज्योतिर्लिंग का 5.51 करोड़ रुद्राक्ष और 11,000 त्रिशूल से भव्य शृंगार किया जाएगा। यहां 108 हवन कुंड बनाए जा रहे हैं। इसमें सवा करोड़ दीपक जलाए जाएंगे। 13 जनवरी को प्रथम स्नान पर वह शिविर से लेटते हुए संगम स्नान करने जाएंगे। उधर, शिविर में बनी त्रिशूल की दीवारें और बोरियों में रखे गए रुद्राक्ष की मालाएं लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। रास्ते से गुजरने वाले शिविर की भव्यता को देखकर सेल्फी लेने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। आतंकी पुन्नू की गीदड़ भभकी के बाद प्रयागराज जंक्शन पर पहली बार कोरस कमांडो तैनात किए गए हैं। शुक्रवार को आरपीएफ के महानिरीक्षक अमिय नंदन सिन्हा ने जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। आईजी आरपीएफ ने निरीक्षण के दौरान स्टेशन के सभी प्रवेश द्वारों, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, सिटी साइड और सिविल लाइंस साइड की व्यवस्थाओं को परखा। जंक्शन पर 1100 आरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। 2025 का आधिकारिक एक्स अकाउंट शुक्रवार दोपहर अचानक सस्पेंड कर दिया गया। इसके बाद से अकाउंट खोलने पर महाकुंभ संबंधी सभी अपडेट भी गायब हो गए। चर्चा अकाउंट हैक होने की भी रही, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। महाकुंभ मेले के दौरान शोध के क्षेत्र में भी नए आयाम स्थापित होंगे।

संगम जल, मौसम, आयोजन के धार्मिक, सामाजिक, आर्थिक समेत अन्य पहलुओं पर अध्ययन होंगे, साथ ही डाटा बेस तैयार किए जाएंगे। इसके लिए मेला प्रशासन और संस्थाओं के बीच समझौते हुए हैं। कूड़े और उसके दुष्प्रभाव पर बंगलूरू विवि कर रहा अध्ययन मेला क्षेत्र से निकलने वाले कचरे एवं सीवेज के अलावा उनके निस्तारण की व्यवस्था का हिसाब रखा जाएगा। क्षेत्र के अलावा आसपास के मोहल्लों में इसके पड़ने वाले दुष्प्रभाव व बचाव के लिए किए गए उपायों का भी लेखा–जोखा तैयार होगा। इस पर बंगलूरू विश्वविद्यालय अध्ययन करेगा। मेला प्रशासन व विवि के पर्यावरण विज्ञान विभाग के साथ समझौता हुआ है।

हाथी, घोड़े और शाही रथों पर सवार होकर निरंजनी अखाड़े के संतों ने किया छावनी प्रवेश

प्रयागराज। पंचायती अखाड़ा श्री निरंजनी के संतों ने शनिवार को शाही अंदाज में छावनी प्रवेश किया। मठ बाघंबरी गद्दी से निकली छावनी यात्रा (पेशवाई) गंगा के किनारे दारागंज, नागवासुकि, गंगा चौराहा, दशाश्वमेध घाट, काली मार्ग से होते हुए त्रिवेणी मार्ग पर पहुंचा। यहां से गंगा पर बने पांटून पुल के रास्ते अखाड़े में प्रवेश किया। छावनी प्रवेश में संतों के विविध रूप देखने को मिला। सड़कों के दोनों किनारों पर खड़े होकर लोगों ने संतों के दर्शन किए। इस दौरान संतों और महात्माओं के साथ नागा संन्यासियों के ऊपर पुष्प वर्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था का व्यापक बंदोबस्त किया गया। छावनी यात्रा के चलते शहर के कई मार्गों अलोपी बाग मंदिर रोड, जवाहर जीटी से काली मार्ग के रास्ते गंगा पार कर अखाड़े में प्रवेश किया। इसके चलते कई पांटून पुलों पर आवागमन बंद रहा। भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। अधिकारियों ने छावनी प्रवेश में शामिल संतों का स्वागत माल्यार्पण के साथ किया। छावनी प्रवेश में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी, श्री बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलवीर गिरि, कैलाशानंद सहित तमाम संत शामिल रहे।

पीओके को मुक्त कराने के लिए स्वामी रामभद्राचार्य महाकुंभ में करेंगे 250 हवन कुंड में यज्ञ

प्रयागराज। संगम क्षेत्र के सेक्टर 6 में श्री रामभद्राचार्य का भव्य शिविर बनाए जा रहा है जिसे बनाने के लिए कोलकाता से कारीगर को बुलाया गया है शिविर का मुख्य द्वार अयोध्या राम मंदिर के द्वारा के थीम पर बनाया जा रहा है। इसके साथ ही हनुमान जी की भव्य मूर्ति राम जी शंकर जी की भव्य मूर्ति तैयार कराई जा रही है। साथ ही स्वामी रामभद्राचार्य पाक अधिकृत क्षेत्र को मुक्त कराने के लिए महाकुंभ के दौरान 250 हवन कुंडी में यज्ञ करेंगे। रामभद्राचार्य के मुख से महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को श्री राम कथा का रसपान करने को भी मिलेगा।

इंडियन बैंक ने कार ;ण बकाएदारों के खिलाफ शुरू किया अभियान

प्रयागराज। इंडियन बैंक ने वाहन ऋण बकाएदारों के खिलाफ अभियान शुरू किया है। बैंक की टीम कार ऋण वसूली के लिए घर–घर दस्तक दे रही है। अंचल कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक के अनुसार, प्रयागराज अंचल में कार लोन का खाता एनपीए हो, उस कार को जब्त किया जा रहा है। पिछले दिन ने बैंक की टीम ने बैरहना से ऋण जमा नहीं करने पर एक कार को जब्त कर लिया। इंडियन बैंक की तरह यूनियन बैंक ने भी कार की ईएमआई जमा नहीं करने वालों पर शिकंजा कसा है। बैंक की टीम घर–घर जाकर बकाए की वसूली कर रही है।

पीडीए की सील उखाड़ व्यावसायिक भवन निर्माण कार्य शुरू

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा सोरांव में निर्माणाधीन पांच मंजिला व्यावसायिक भवन का मानचित्र न होने पर सील कराया था। भवन स्वामी ने पीडीए की सील को उखाड़ते हुए निर्माण कार्य शुरू करा दिया। मामले की जानकारी पीडीए के अधिकारियों को होने पर कानूनी कार्यवाही करने की बात कही। सोरांव मेवालाल इंटर कालेज के समीप प्रयागराज प्रतापगढ़ हाईवे पर पांच मंजिला व्यावसायिक भवन निर्माण कार्य चल रहा है। मामले की जानकारी होने पर पीडीए के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच करते हुए निर्माण कार्य को सील कराया था। पीडीए ने बिना मानचित्र के निर्माण को अवैध बताते हुए भवन को सील किया था। पीडीए की कार्यवाही के एक पखवाड़ा बाद भवन स्वामी ने पीडीए की सील को उखाड़ते हुए निर्माण कार्य शुरू कर दिया। भवन पर प्लास्टर करने की कार्यवाही शुरू हो गई। पीडीए के अधिकारियों ने निर्माण कार्य को असंवैधानिक करार देते हुए कार्यवाही की बात कही है। पीडीए से बिना मानचित्र पास कराए निर्माण करने पर भवन को सील किया गया था। अब दोबारा निर्माण कार्य शुरू करने की सूचना मिल रही है। फाइल का अवलोकन करते हुए कठोर कानून कारवाई की जाएगी।

ट्रैक दोहरीकरण और यात्री सुविधाओं को खंगाला

जंघई–प्रयागराज रेल मार्ग का दोहरीकरण का कार्य अभी संपन्न हुआ है। नये ट्रैक का निरीक्षण रेलवे मुख्यालय दिल्ली से आये मुख्य संरक्षा आयुक्त व उनकी टीम ने किया। टीम द्वारा फूलपुर रेलवे स्टेशन पर, ट्रैक, यात्री सुविधाओं की पड़ताल की गई। जंघई–प्रयागराज वाया फूलपुर रेल मार्ग के दोहरीकरण का कार्य अद्यतन में संपन्न हुआ है। ट्रैक पर ट्रेन के परिचालन के पूर्व लगभग ग्यारह ट्रालियों में उच्च पदस्थ अधिकारियों, अभियंताओं और तकनीशियनों की टीम ने ट्रैक का निरीक्षण किया। टीम का नेतृत्व कर रहे मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त दिनेश चंद्र देशवाल ने फूलपुर रेलवे स्टेशन पर यात्री सुविधाओं, यात्री सुरक्षा, प्लेटफार्म, विश्राम गृह, नवनिर्मित भवन, विद्युत व्यवस्था व दोहरीकरण के ट्रैक का निरीक्षण किया। उनके साथ वरिष्ठ मंडल परिचालन अधिकारी व डीआरएम लखनऊ एसएम शर्मा भी मौजूद रहे। रेलवे सूत्रों के अनुसार किसी भी नई रेल लाइन पर ट्रेन की स्पीड व परिचालन का निर्धारण मुख्य रेल संरक्षा अधिकारी अपने निरीक्षण के बाद ही तय करते हैं।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने मेले की तैयारियों का लिया जायजा, अचानक सिविल लाइंस थाने पहुंचे

प्रयागराज। यूपी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। महाकुंभ मेले की तैयारियों के लिए जाते समय वह अचानक सिविल लाइंस थाने पहुंच गए। थाने का निरीक्षण करने के बाद वह महाकुंभ मेला क्षेत्र में किला घाट पर पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से उन्होंने तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। साथ ही जल पुलिस और मोटर बोट के माध्यम से चौकसी बरतने का निर्देश दिया। डीजीपी ने मेला क्षेत्र में बनाए गए मेला एसएसपी के अस्थायी कुंभ कार्यालय का भी उद्घाटन किया। बोट से संगम नोज का निरीक्षण किया। इसके बाद एटीएस की तैयारियों को देखा। डीजीपी ने मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कहा कि महाकुंभ में पूरी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सारे मेले क्षेत्र में निगरानी के लिए सीसीटीवी लगाए गए हैं। सभी विभागों के समन्वय से कार्य चल रहा है। यहां सभी एहतियात लिए जा रहे हैं। हमने महाकुंभ के दौरान 40 से 50 करोड़ लोगों के स्नान कराने की और उनको सकुशल गंतव्य स्थान तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ली है। मेले में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पहुंचे डीजीपी प्रशांत कुमार के सामने एटीएस के जवानों ने संगम नोज पर मॉक ड्रिल, आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों क प्रदर्शन किया।

महाकुंभ में जगेगी सनातन की अलख, सनातनियों की वापसी कराएगी अखाड़ा परिषद

प्रयागराज। महाकुंभ में सनातन की अलख जगाने के लिए अखाड़ा परिषद की ओर से धर्म वापसी कराई जाएगी। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष के अनुसार, इसके लिए विभिन्न प्रांतों के लोगों ने उनसे इच्छा जताई है, जिसके बाद इसके लिए तैयारी की जा रही है। पहले स्नान पर्व के साथ ही धर्म वापसी के लिए अभियान शुरू किया जाएगा। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने बताया कि देश भर से बड़ी संख्या में लोगों ने उनसे संपर्क किया है, जिन्होंने किन्हीं कारणों से सनातन छोड़कर अन्य धर्म स्वीकार कर लिया है। अब उन्हें इसका पश्चाताप और गलती का अहसास हो रहा है, तो ऐसे इच्छुक लोगों की फिर से घर वापसी कराई जाएगी। इसके लिए वैदिक मंत्रोच्चार, गायत्री पाठ और पंच गव्य के साथ उनका शुद्धिकरण किया जाएगा। फिर संगम स्नान के बाद उन्हें सनातन धर्म में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्वेच्छा से लोग इसके लिए आगे आ रहे हैं। इसमें एमपी और छत्तीसगढ़ सहित अन्य प्रांतों के लोग शामिल हैं। दूसरी ओर मथुरा वृंदावन धाम से महाकुंभ पहुंचे बटुक महाराज ने कहा कि उनके संपर्क में भी कई जनपदों के ऐसे लोग हैं जो अब सनातन धर्म में वापसी करना चाहते हैं। बताया जा रहा है कि महाकुंभ के प्रथम स्नान के साथ ही घर वापसी का कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

एयरपोर्ट में होगा विमानों का महाकुंभ, अब तक 55 के जारी हुए शेड्यूलय आगे और बढ़ेगी यह संख्या

प्रयागराज। मेले के दौरान प्रयागराज एयरपोर्ट पर विमानों का भी कुंभ देखने को मिलेगा। विमानन कंपनियां अब तक 55 विमानों का शेड्यूल जारी कर चुकी हैं। आने वाले दिनों में यह संख्या बढ़ सकती है। महाकुंभ के दौरान पहली बार एयरपोर्ट से चार कंपनियों के विमानों का संचालन होगा। इसमें अकासा, इंडिगो, स्पाइस जेट एवं एलाइंस एयर शामिल हैं। चर्चा है कि एयर इंडिया एक्सप्रेस भी कुछ शहरों के लिए सीधी उड़ान का कार्यक्रम जारी कर सकती है। इस बीच विमानन कंपनी एलाइंस एयर ने प्रयागराज से इंदौर और जयपुर के लिए सीधी उड़ान का शेड्यूल जारी किया है। एलाइंस एयर की जयपुर की उड़ान 10 जनवरी और इंदौर की उड़ान 11 जनवरी से शुरू होगी। यह दोनों विमान सप्ताह में एक दिन यहां से उड़ान भरेंगे। जयपुर से हर शुक्रवार शाम पांच बजे उड़ान भरकर विमान शाम 6रू50 बजे यहां आएगा इसी तरह प्रयागराज से यह विमान हर रविवार शाम 6:45 बजे उड़ान भरेगा जो रात 8रू35 बजे जयपुर पहुंचेगा। वहीं, इंदौर–प्रयागराज विमान हर शनिवार इंदौर से रात 8रू05 बजे उड़ान भरेगा, जो रात 10:05 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पर लैंड करेगा। इसी तरह प्रयागराज से प्रत्येक सोमवार इंदौर की उड़ान शाम 7रू40 बजे रवाना होगी जो रात 9रू40 बजे वहां पहुंच जाएगी। महाकुंभ अवधि में सर्वाधिक विमानों का आवागमन दिल्ली के लिए होगा। कुछ तिथियों में दिल्ली के लिए एक दिन में छह–छह उड़ान रवाना होंगी। इसके अलावा पुणे, विशाखापट्टनम समेत दस शहरों के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट की भी सुविधा रहेगी।

अमेरिका से खरीदा 42 हजार का पर्स अजीमाबाद एक्सप्रेस से चोरी, गहने भी ले उड़े

प्रयागराज। अजीमाबाद एक्सप्रेस से एनआरआई महिला का 15 हजार नकदी समेत लाखों रुपये कीमत से भरा पर्स चोरी हो गया है। पर्स की कीमत भी 42 हजार रुपये थी, जोकि अमेरिका से खरीदा गया था। वहीं, महाकाल एक्सप्रेस से भी एक महिला का 25 हजार नकदी से भरा पर्स चोरी हो गया है। दोनों ही मामलों में जीआरपी प्रयागराज ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस को शिकायत में मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि वह और उनकी पत्नी सरिता श्रीवास्तव बीते 11 दिसंबर की रात 11रू45 बजे पटना से अहमदाबाद जाने के लिए ट्रेन नंबर 12948 (अजीमाबाद एक्सप्रेस) में बैठे। सफर के दौरान पत्नी अपनी सीट पर तकिये के पास लेडीज पर्स रखकर सो गई। अगले दिन सुबह छह बजे पत्नी देखा कि उनका पर्स गायब है। काफी तलाश के बावजूद पर्स नहीं मिला। पता चला कि ट्रेन प्रयागराज जंक्शन से 15 मिनट पहले निकली है। भूरे रंग के पर्स में अंग्रेजी में एमके लिखा हुआ था जो करीब पांच माह पहले अमेरिका से 44 हजार में खरीदा गया था। पर्स में दोनों का पासपोर्ट व यूएसए का वीजा, आईपैड, एक सोने की अंगूठी, बाली, झुमका, 50 अमेरिकन डॉलर, 15 हजार नकदी समेत दस्तावेज था। शिकायत पर जीआरपी ने केस दर्ज कर लिया है। वहीं, दूसरी तरफ मूलरूप से थाना भेलूपुर के सुदामापुर निवासी प्रीती त्रिपाठी ने पुलिस को बताया कि 30 दिसंबर को ट्रेन नंबर 20416 (महाकाल एक्सप्रेस) से उज्जैन से सपरिवार वाराणसी आ रही थी। ट्रेन प्रयागराज स्टेशन पहुंचने पर बाथरूम गई तो सीट से पर्स चोरी हो गया। जिसमें एक मोबाइल, मंगलसूत्र, 25 हजार नकदी, मकान व कार की चाभी, दस्तावेज और विश्वनाथ मंदिर का पास था। उक्त घटना तीन बजे रात की है। शिकायत पर जीआरपी ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मेले में केमिकल रिसाव, रेडिएशन से विस्फोट के बाद लगी आग

प्रयागराज। मेला पुलिस लाइन में शुक्रवार को अचानक केमिकल रिसाव और रेडिएशन से विस्फोट के बाद आग लगने से अफरातफरी फैल गई। इसके बाद एनडीआरएफ के साथ ही सेना, अग्निशमन व चिकित्सकों की टीम ने तत्परता दिखाई और कुछ ही देर में स्थिति पर काबू पा लिया। तालियों की गड़गड़ाहट से पता चला कि महाकुंभ में रासायनिक व परमाणु आपदाओं से निपटने के लिए की गई तैयारियों को परखने के लिए यह मॉकड्रिल थी। परमाणु ऊर्जा विभाग और उप्र राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने मॉक ड्रिल की थी। इस दौरान रासायनिक विकिरण का पता लगाने और माप करने वाले उपकरणों के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वैज्ञानिकों ने रासायनिक रिसाव के आकलन और प्रतिक्रिया रणनीति, डीकॉन्टेमिनेशन संबंधित प्रक्रिया के बारे में बताया। इसके जरिये रासायनिक एवं परमाणु आपदाओं से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रतिभागियों को सीएमजी, परमाणु ऊर्जा विभाग के अध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार नायक और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य ले. जनरल (रिटायर) सय्यद अता हसनैन ने भी संबोधित किया। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रिटायर लेफ्टिनेंट जनरल योगेंद्र डिमरी ने कहा कि शनिवार को रासायनिक आपदा पर आधारित मॉक ड्रिल होगी। मॉक ड्रिल में परमाणु ऊर्जा विभाग, भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर–मुंबई, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन–नई दिल्ली, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल–नई दिल्ली, राज्य आपदा मोचन बल–लखनऊ, भारतीय सेना, मेला प्रशासन, पुलिस एवं जिला प्रशासन के अधिकारी, अग्निशमन विभाग, चिकित्साधिकारी व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अयोध्या, वाराणसी, चित्रकूट, मथुरा, मिर्जापुर, श्रावस्ती एवं गोरखपुर के अधिकारियों सहित 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

केंद्रीय कानून मंत्री मेघवाल बोले, न्यायिक प्रक्रिया में सुधार से ही भारत बनेगा विकसित राष्ट्र

प्रयागराज। बाबा साहब की परिकल्पना थी कि स्वतंत्रता से पहले समाज में समानता आनी चाहिए। जब समानता स्थापित हो जाएगी तो स्वतंत्रता कायम रहेगी। कानून मंत्री ने कहा कि

प्रयागराज ज्ञान का शहर है। चिंतन, मंथन और मनन का होगा संगम तो अमृत जरूर निकलेगा। मेघवाल न्यायिक प्रणाली में सुधारों की गुंजाइश व आवश्यकता विषय पर आयोजित सेमिनार में बोल रहे थे। यह कार्यक्रम हाइकोर्ट के कनवेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। पंडित कन्हैया लाल मिश्रा मेमोरियल कमेटी की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया है। मंत्री बोले एडवोकेट एक्ट में संशोधन, मेडिकल क्लेम और बीमा योजना शीघ्र लागू होगी। न्यायिक प्रक्रिया में सुधार से ही भारत 2047 तक विकसित भारत बनेगा। पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई ने कहा कि मुंबई अगर देश की आर्थिक राजधानी है तो इलाहाबाद न्यायिक राजधानी है। भारतीय न्यायिक व्यवस्था की प्रयोगशाला के तौर पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का नाम पूरे विश्व में है, लेकिन जजों की कमी और मुकदमों का बोझ हमें मौन कर देता है। मंत्री जी... जज भी इंसान हैं। मैं चाहूंगा की मेरी यह बात मौजूदा भारत के मुख्य न्यायाधीश तक पहुंचाई जाए।

25 सेक्टर्स में फैला प्रयागराज महाकुंभ क्षेत्र, कहां, कौन–से घाट और मंदिर?

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। अभी कुंभ मेले की तैयारियां चल रही हैं। इसी बीच प्रयागराज में लगने वाले कुंभ को लेकर वीडियो मैप के जरिए जानकारी साझा की गई है। जिससे महाकुंभ में आने वाले लोगों को कोई परेशानी न हो। 13 जनवरी से 26 फरवरी तक महाकुंभ का आयोजन होगा। आयोजन से पहले महाकुंभ 2025 के एक्स हैंडल पर एक जानकारी साझा की गई है। जिसमें महाकुंभ प्रयागराज 2025 की जानकारी मैप के जरिए बताई गई है। संगम नगरी में लगने वाले कुंभ मेले को पांच जगहों में बांटा गया है। जिसमें झूंसी, तेलीयरगंज, संगम, परेड ग्राउंड और अरैल शामिल है। इसमें भी इन इलाकों को सेक्टर में बांटा गया है। जिसमें 25 सेक्टर हैं। इन सेक्टरों को जोड़ने के लिए पुल भी हैं। जिनकी संख्या 13 है। साथ ही मैप में मुख्य मार्गों की जानकारी दी गई है। कौन सा रास्ता कहां से कहां जा रहा है और किस रास्ते पर कौन सा धार्मिक स्थल होगा। महाकुंभ का आयोजन भारत के चार पवित्र स्थानों प्रयागराज, हरिद्वार, उज्जैन और नासिक में हर 12 साल के अंतराल पर होता है। यह विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन है। 2025 में प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन किया जाएगा। जिसमें लाखों श्रद्धालु गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान करेंगे। इसे लेकर सरकार ने व्यापक तैयारियां शुरू की हैं। इसमें अत्याधुनिक तकनीक, सुरक्षा और सुविधाओं का ध्यान रखा जाएगा ताकि श्रद्धालुओं के लिए यह अनुभव सहज और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध हो। महाकुंभ 2025 की मेजबानी उत्तर प्रदेश करने को तैयार है। संगम नगरी प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन हो रहा है। वैसे तो हर साल प्रयागराज में माघ मेला लगता है, लेकिन अर्ध कुंभ और महाकुंभ मेला विशेष धार्मिक महत्व रखता है। इसके पहले साल 2013 में प्रयागराज में महाकुंभ मेला लगा था। साल 2019 में प्रयागराज में भव्य अर्धकुंभ का आयोजन हुआ था। एक बार फिर योगी सरकार महाकुंभ के आयोजन के लिए तैयार है। हिंदू तिथि के अनुसार, हर 12 साल में पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व के साथ महाकुंभ की शुरुआत होती है और महाशिवरात्रि पर खत्म होता है। कुंभ की भव्यता और मान्यता का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि कुंभ में स्नान करने के लिए लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं की भीड़ जुटती है। इस वर्ष 13 जनवरी 2025 को महाकुंभ की शुरुआत होगी, जिसका समापन 26 फरवरी 2025, महाशिवरात्रि को होगा। महाकुंभ 45 दिन तक चलता है।

महाकुम्भ से सुधरेगी बड़े व्यवसाइयों और छोटे दुकानदारों की आर्थिक स्थिति: नंदी

प्रयागराज। महाकुम्भ समागम 2025 के समापन सत्र की अध्यक्षता कर रहे यूपी के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने महाकुम्भ से आर्थिक पक्ष के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहा महाकुम्भ धार्मिक और आध्यात्मिक के साथ ही आर्थिक दृष्टिकोण से भी बहुत महत्वपूर्ण होगा। यह आयोजन किस तरह से यूपी और प्रयागराज की आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगा, इसे स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि महाकुम्भ में देश–विदेश के कई बड़े उद्योगपति आना चाहते हैं, वो चाहते हैं कि कस्टम क्लीयरेंस मिल जाए ताकि उनका विमान सीधे प्रयागराज उतरे और फिर स्नान कर वो वापस चले जाएं। ऐसे लोग यहां आने पर औसतन 20 लाख रुपये खर्च करेंगे, वहीं यहां ट्रेन, बस एवं अन्य निजी साधन से आने वाले श्रद्धालु एक से लेकर दस हजार तक खर्च करेंगे, पांच हजार प्रति श्रद्धालु औसत खर्च भी मान लिया जाए तो महाकुम्भ में 40 करोड़ श्रद्धालु आते हैं तो दो लाख करोड़ और 45 करोड़ आते हैं तो सवा दो लाख करोड़ की आय होगी। यह रकम अलग–अलग व्यवसाइयों के साथ ही फूल–माला, प्रसाद और खाने–पीने का सामान बेचने वाले छोटे वेंडरों को मिलेगी, जिससे इनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। एएमए सभागार में आयोजित समागम में मंत्री नंदी ने महाकुम्भ में प्रदेश सरकार की ओर से की जा रही व्यवस्था की जानकारी देते प्रदेश के विकास की भी चर्चा की। बताया कि पूरे देश का 37 फीसदी एक्सप्रेसवे अकेले उत्तर प्रदेश में है। इस साल सितंबर में गंगा एक्सप्रेसवे बनकर तैयार होने के बाद पूरे देश में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी बढ़कर 50 फीसदी हो जाएगी। देश के साथ प्रदेश में तेजी से बन रहे एक्सप्रेस वे और हाईवे का लाभ परिवहन में मिलने लगा है। हवाई सेवा और अच्छी सड़कों का लाभ भी महाकुम्भ में मिलेगा। 2019 कुम्भ से पहले बतौर नागरिक उड्डयन मंत्री रिकॉर्ड समय में प्रयागराज एयरपोर्ट को तैयार करवाने वाले मंत्री नंदी ने कहा कि पिछले छह साल में प्रदेश का हवाई और राजमार्ग बेहतर हुआ है। 2014 में प्रदेश में सिर्फ वाराणसी और लखनऊ एयरपोर्ट ही सक्रिय रूप से काम कर रहे थे। आज 10 साल बाद प्रदेश में 22 एयरपोर्ट हो गए हैं। इनमें पांच अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं।

विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित हैमलेट का सफल मंचन हुआ

प्रयागराज । शनिवार को संस्था ष्द थर्ड बेल रेपर्टरीष् द्वारा प्रस्तुत नाटक ष् हैमलेटष् का नाट्य मंचन उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ,प्रयागराज के प्रेक्षागृह में शाम 5.30 बजे मंचित किया गया । विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित ये नाटक पूरी दुनिया में मशहूर है । हैमलेट.... ये कहानी है डेनमार्क के राजघराने की.. ये अफसाना है मोहब्बत का... अदावत का ...और नफरत का .....लालच और धोखे से भरी ये कहानी...जब अपने अंजाम को पहुँचेगी... तो सब हैरान रह जाते हैं.. जिस राजगद्दी की लालच मे क्रूर शतरंजी चालें चली गयीं, वो राजगद्दी आखिरकार बदले के खून से तर हो जाती है... हैमलेट की कहानी का सारांश इस प्रकार हैः हैमलेट, डेनमार्क के राजा के बेटे, को उसके पिता की मौत के बाद उनके भाई क्लॉडियस द्वारा राज्य से वंचित किया जाता है। क्लॉडियस ने राजा की हत्या कर दी थी और राजा की पत्नी से शादी कर ली थी। हैमलेट के पिता की आत्मा उसे दिखाई देती है और उसे बताती है कि उसकी हत्या क्लॉडियस ने की थी। हैमलेट ने बदला लेने का फैसला किया और अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए एक योजना बनाई। कहानी में कई मोड़ और बदलाव आते हैं, जिनमें हैमलेट के दोस्तों और परिवार के सदस्यों की मौत शामिल है।

अंत में, हैमलेट अपने पिता की हत्या का बदला लेता है, लेकिन इस प्रक्रिया में वह भी मारा जाता है। यह शेक्सपियर की सबसे प्रसिद्ध और जटिल नाटकों में से एक है, जो मानव मनोविज्ञान, नैतिकता, और शक्ति के संघर्ष के बारे में गहराई से पड़ताल करता है। नाटक का निर्देशन वरिष्ठ रंग निर्देशक आलोक नायर का रहा। नाटक की अवधि लगभग 2 घंटे की रही। कलाकारों में हैमलेट का किरदार अभिषेक गिरी ने निभाया और क्लॉडियस का किरदार शुभेन्दू कुमार ने निभाया. ..नम्रता सिंह,यश मिश्रा, श्वेतांक मिश्रा कौस्तुभ पांडेय, अनुभव उपाध्याय, विनय त्रिपाठी, नीरज मिश्रा, श्वेता जायसवाल,जुली ब्रिज, आकृति वर्मा,निमिष गुप्ता,प्रियांशु शुक्ला आदि ने अपना किरदार बखूबी निभाया । संगीत का संचालन कोणार्क अरोरा ने किया तथा संगीत संयोजन आशीष नायर ने किया. ..सुजॉय घोषाल की प्रकाश परिकल्पना रही..रूप सज्जा हामिद अंसारी का रहा , मंच व्यवस्था अविनाश मिश्र एवं नम्रता सिंह की रही..वस्त्र विन्यास यश मिश्रा का रहा..प्रचार प्रसार आदित्य कश्यप और प्रणव मालवीय का रहा...कार्यक्रम की उदघोषिका के रूप में ऋतिका अवस्थी ने अपनी भूमिका कुशलता पूर्वक निभाई।

राजधानी में 50 मीटर से कम विजिबिलिटी, घना कोहरा छाया

लखनऊ(संवाददाता)। बर्फीली हवाओं के असर से राजधानी लखनऊ में ठिठुरन बरकरार है। इसके चलते तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके चलते मौसम में सिहरन बना हुआ है। सड़क पर वाहन चालकों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लखनऊ आने वाले दो विमान रद्द हुए हैं। जबकि 6 विमान देरी से उड़ान भर रहे हैं। घरों में और सड़क किनारे लोग अलाव जलाकर आग सेंक रहे हैं। तड़के सुबह लखनऊ का तापमान 6 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी के 6 मॉनिटरिंग स्टेशनों का औसत ।फप् खराब श्रेणी में 208 दर्ज किया गया है। दृश्यता घट कर 50 मीटर से कम हो गई है। इसके चलते सड़क पर आवाजाही कर रहे वाहन रिफ्लेक्टर जला कर चल रहे। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 19 डिग्री दर्ज किया जाएगा। दिन में धूप भी निकलेगी। इसके साथ ही बादलों की आवाजाही से बदली का असर भी बना रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि लखनऊ समेत आसपास के जिलों के तापमान में अब बदलाव होगा। दिन के तापमान में तीन–चार डिग्री की बढ़त होगी। जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि हवा का रुख बदलने से तापमान में बढ़ोत्तरी दर्ज की जाएगी। उनका कहना है कि जनवरी के महीने में सामान्य ठंड की तुलना में शीतलहर के दिनों की संख्या कम रहेगी।

चलती ट्रेन के पहिए से निकली आग, चिंगारी देख मचा हड़कंप

लखनऊ(संवाददाता)। रहमान खेड़ा रेलवे गेट के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब लोगों ने रेल गाड़ी के पहियों से चिंगारी देखी। चलती रेलगाड़ी के पहियों से आग की चिंगारियां निकल रही थी। जिसे देख कर ग्रामीणों ने कहा कि रेल में आग लग गई। पहियों के पास लगी है। कुछ लोगो ने कयास लगाया कि रेल पहियों में कोई चीज फंसी है। जो पटरी से रगड़ रही है। जिससे आग लगी है और चिंगारी निकल रही है। ग्रामीणों में यह दृश्य देख कर एक पल के लिए हड़कंप मच गया। ग्रामीण खेत मे काम छोड़ कर रेल की स्थिति का जायजा लेने के लिए रहमान खेड़ा रेलवे गेट पर पहुंचे। लेकिन जैसे ही लोग रेल में लगी आग को देखने के लिए पहुंचे। तभी रेलवे गेट मैन ने पटरी के किनारे परेशान ग्रामीणों देख कर बताया कि यह आग नही है। रेल के पहियों से निकल रही यह चिंगारी ग्राइंडिंग की है। रेल की पटरी पर ग्राइंडिंग की जा रही है। जिससे चिकनी हो चुकी रेल पटरी में फिर से घर्षण पैदा हो सके। दरअसल, रेलवे पटरी रेल के संचालन से चिकनी हो जाती है। जिससे संचालन में दिक्कत होती है। ट्रेन के संचालन के लिए एक आवश्यक घर्षण की जरूरत होती है। इस घर्षण को ग्राइंडिंग के द्वारा फिर से पैदा किया जाता है। यह ग्राइंडिंग एक विशेष प्रकार की ट्रेन से किया जाता है। जो चलती जाती है और ग्राइंडिंग मशीन पटरी पर काम करती रहती है। इस ट्रेन को रेल ग्राइंडिंग मशीन कहा जाता है। यह पूरी ट्रेन एक मशीननुमा होती है। जिस पर पानी का बड़ा टैंक भी होता है। इसमें पहियों के पास ग्राइंडिंग मशीन लगी रहती है। जो पटरी को रगड़ कर घर्षण बनाती है।

सड़क के बीच में बना दी नाली,महिला ने नगर आयुक्त से की शिकायत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में तेलीबाग के अंबेडकरपुरम में नाली को बीच में करके सड़क बना दी गई है। इसकी शिकायत पीड़ित महिला ने नगर आयुक्त से की है। महिला ने नगर आयुक्त से शिकायत कहा कि सड़क पुश्तैनी जमीन पर बनी है। विरोध करने पर दबंगई की जाती है। नाली को बीच में कर दिया गया है, जबकि नाली सड़क के किनारे दोनों साइड में होती है। सड़क बीच में होनी चाहिए। दावा है कि सड़क के बीच में एक अवैध शौचालय बना है। जिसे तोड़ा नहीं जा रहा। जबकि शौचालय तोड़ा जाना चाहिए। गलत ढंग से बनी सड़क को सही करना चाहिए। महिला का कहना है कि मामले में 31 दिसंबर को शिकायत की थी। रने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ठेकेदार द्वारा जबरन सड़क का निर्माण कर दिया गया है। स्थानीय पार्षद केएन सिंह का कहना है कि अभी इस विषय में कोई जानकारी नहीं है। इसलिए कुछ कहना संभव नहीं।

लखनऊ से बैंकॉक और भुवनेश्वर के लिए शुरू हुई फ्लाइट

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटर नेशनल एयरपोर्ट से बैंकॉक और भुवनेश्वर के लिए सीधी फ्लाइट जाएगी। ये विमान सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उड़ान भरेंगे। इसका किराया 6 हजार से 13 हजार तक रहेगा। फ्लाइट का संचालन एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा किया जाएगा। बोइंग 737 मैक्स विमान के साथ 186 यात्रियों की क्षमता होगी। बैंकॉक (बीकेके) के लिए अंतरराष्ट्रीय और भुवनेश्वर (बीबीआई) के लिए घरेलू उड़ान रहेगी। लखनऊ एयरपोर्ट प्रवक्ता ने बताया कि दो नई उड़ानों से शहरों की कनेक्टिविटी अच्छी होगी।

स्मार्टफोन वितरण समारोह आयोजित

प्रयागराज।आज प्रयागराज नैनी में गंजिया मोहल्ला में सिटीजन गर्ल्स कॉलेज बलराम नगर ,नैनी, प्रयागराज में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत कॉलेज के छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित किया गया द्य इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रयागराज के लोकप्रिय महापौर श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ सरकार आपको यह फोन वितरित कर रही है मुझे विश्वास है कि आप सभी अपने आप को तकनीक रूप से सक्षम बनाते हुए देश के विकास में अपना योगदान देंगे तथा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जहांगीराबाद पार्षद रणविजय सिंह उर्फ डब्बू एडवोकेट ने माननीय महापौर को धन्यवाद करते हुए कहा कि महापौर जी वार्ड जहांगीराबाद का ऐतिहासिक विकास किया तथा विद्यालयों के प्रति सदैव समर्पित रहते हैं तथा वार्ड में शिवालय पार्क तथा नगर निगम के द्वारा बड़ी अस्पताल तथा नैनी क्षेत्र की सभी रोड नाली निर्माण का कार्य लगातार कराया जा रहा है द्य इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्रबंधिका श्रीमती उमा सिंह ने कहा कि माननीय महापौर जी की उपस्थिति हमारे विद्यालय के लिए गर्व की बात है तथा महापौर जी द्वारा महाविद्यालय आने के लिए कई वर्षों से खराब पड़ी रोड का सुंदरीकरण कराया तथा क्षेत्र के माननीय पार्षद रणविजय सिंह द्वारा महाविद्यालय के लिए यथाशक्ति सहयोग किया जाता हैद्य कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की डीएलएड विभागध्यक्ष अनुराधा अरोड़ा ने किया द्य इस कार्यक्रम को पूर्ण रूप से संपन्न प्राचार्य डॉ मध ुलिका सिंह एवं उप–प्राचार्य उमा लता पटेल के दिशा निर्देश में संपन्न हुआ द्य कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. अंजुला तिवारी, अंजना गौड़, सचिन श्रीवास्तव, रजनीश उपाध्याय का सहयोग रहा तथा इस कार्यक्रम में पार्षद राकेश जायसवाल, पार्षद मयंक यादव, सज्जन शुक्ला, सुमन गुप्ता, ओमप्रकाश मिश्रा, संजय श्रीवास्तव, के.के. द्विवेदी, प्रदीप तिवारी, श्याम मिश्रा, समर बहादुर, सुनील कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहें।

‘प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ पर परिचर्चा एवं मानव श्रृंखला का आयोजन’

प्रयागराज स राष्ट्रीय सेवा योजना ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, महाराणा प्रताप यूथ क्लब राजस्थान एवं नमस्कार फाउंडेशन उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में 3 जनवरी 2025 को महाविद्यालय परिसर स्थित निर्मला देशपांडे सभागार में 'प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ में शैक्षिक परिसरों की भूमिका' पर एक 'परिचर्चा व संवाद' का आयोजन किया गया इसके पश्चात प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ पर जागरूकता हेतु एक 'मानव श्रृंखला एवं पद रैली' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत एवं विषय परिवर्तन महाविद्यालय एनएसएस प्रभारी डॉ अरविंद कुमार मिश्रा ने किया।श्री उत्कर्ष मिश्रा सचिव नमस्कार फाउंडेशन उत्तर प्रदेश ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ में शैक्षिक परिसरों की भूमिका की विस्तृत चर्चा की। श्री मयंक सिंह नेगी संस्थापक महाराणा प्रताप यूथ क्लब राजस्थान ने कहा की 'सशक्त युवा समृद्ध भारत' की थीम पर आधारित यूथ क्लब का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और मूल्यों को समझना और साझा करना है। महाकुंभ को प्लास्टिक मुक्त बनाने में इन युवाओं की महती भूमिका हो सकती है। युवाओं के विविध रचनात्मक कार्य के माध्यम से प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ के उद्देश्य को विविध ज्ञान कौशल और उनकी रचनात्मकता को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें अवसर प्रदान करना है। उपरोक्त परिचर्चा एवं संवाद की कड़ी में नमस्कार फाउंडेशन के सदस्य अमरेश दुबे ने अपने विस्तृत उद्‌बोधन में प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ पर विस्तृत चर्चा करते हुए शैक्षणिक परिसरों की भूमिका को रेखांकित करते हुए युवाओं के लिए इस विविधतापूर्ण अद्‌भुत अलौकिक परिदृश्य में कार्य करने और प्रसिद्धि पाने को प्रोत्साहित किया। महाविद्यालय के स्वयंसेवकों मनीष श्रीवास्तव, श्रेया वर्मा, विवेक उपाध्याय, निहारिका गुप्ता, अंकित पटेल, नितेश यादव, सत्य मिश्रा, साहिबा प्रवीन, इत्यादि ने अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए। इसके पश्चात प्लास्टिक मुक्त महाकुंभ के लिए जागरूकता हेतु मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया और यह मानव श्रृंखला शुक्ला पद रैली के रूप में शुक्ला मार्केट सलोरी होते हुए वापस महाविद्यालय परिसर स्थित गांध ी उद्यान में राष्ट्रगान के साथ समाप्त हुई। उपरोक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ शैलेश कुमार यादव, डॉ रुचि गुप्ता, डॉ आलोक मिश्रा, डॉ गायत्री सिंह, डॉ कृष्णा सिंह एवं डॉ रेफाक अहमद ने स्वयंसेवकों का मार्गदर्शन एवं उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम में महाराणा प्रताप यूथ क्लब राजस्थान के 25 सदस्यों एवं नमस्कार फाउंडेशन के पांच सदस्यों तथा महाविद्यालय के स्वयंसेवक व स्वयंसेविकाओ ने सहभागिता की।

काशी, मथुरा और सम्भल का कोर्ट के बाहर हो सेटलमेंट : इंद्रेश कुमार

लखनऊ(संवाददाता)। राजध ानी लखनऊ में कैसरबाग स्थित गांधी भवन में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच उत्तर प्रदेश की कार्यकर्ता बैठक हुई। इसमें संस्था के मार्गदर्शक डॉ. इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता के रुप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मुफ्ती नोमान ने कुरआन पढ़कर किया। इंद्रेश कुमार ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारत वासुदेव कुटुम्बकुम वाला देश है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। हम उस देश से आते हैं जहां से पैगम्बर मोहम्मद साहब को सुकून की ठंडी हवा आती है। इंद्रेश कुमार ने कहा की राष्ट्रीय मुस्लिम मंच समाज में सांप्रदायिक सौहार्द्र और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने का काम कर कर रहा है। हम मुसलमानों से अपील करते हैं कि संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा राष्ट्रहित में 142 करोड़ लोगों के लिए दिए बयान का सम्मान करना चाहिए। मुसलमानों को भी बड़ा दिल दिखाते हुए भारत को विकास के रास्ते पर ले जाने का संकल्प लेना चाहिए। इंद्रेश कुमार ने कहा कि अदालतें सर्वोपरि हैं लेकिन विवादित ध ार्मस्थलों पर संवाद के माध्यम से हल निकाला जाना चाहिए। इससे देश की एकता, अखंडता और भाई चारे को बल मिलेगा। हमारा आह्वान है कि जहां कहीं भी दो पक्षों के बीच अदालत में झगड़ा चल रहा है, वहां दोनों पक्ष आपसी संवाद कर आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट करें। संवाद के जरिये हिंदुओं की ऐतिहासिक इबादतगाहों को पुनर्स्थापित करते हुए काशी, मथुरा और सम्भल जैसी जगहों पर बने विवादित ढांचों को हिंदू समुदाय को देना चाहिए। बैठक में वक्फ संशोधन बिल का भी मुसलमान से समर्थन करने की अपील किया।

कार्यकर्ता बैठक में बदायूं से आए नई अहमद ने बताया कि विगत 15 सालों से संगठन से जुड़े हुए हैं। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच लगातार देश में शांति व्यवस्था स्थापित करने के लिए कार्य कर रहा है। मुस्लिम समाज के बीच में जाकर यह संदेश दे रहे हैं कि राष्ट्र सर्वोपरि है।

संगठन से जुड़े हुए लोगों के अंदर देश प्रेम की भावना जागी है। लगातार प्रसार प्रचार के माध्यम से संगठन का उद्देश्य आम लोगों तक पहुंचा रहे हैं।

कोहरे के कारण 6 फ्लाइट लेट,दुबई, मस्कट, दिल्ली और मुंबई जाने वाले विमान देरी से भर रहे उड़ान, 2 कैंसिल

लखनऊ(संवाददाता)। शनिवार तड़के घने कोहरे के कारण लखनऊ आने वाले दो विमान रद्द कर दिए गए। जबकि 6 फ्लाइट देरी से उड़ान भर रही हैं। लखनऊ से बैंकॉक जाने वाला एक विमान 8 घंटे लेट रहा। एयरपोर्ट सूत्र ने बताया कि दिल्ली से सुबह 6.55 बजे लखनऊ आने वाला इंडिगो का विमान 6ग 2025 रद्द कर दिया गया है। इसके अलावा बेंगलुरु से सुबह 9. 10 बजे लखनऊ आने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 1977 भी कैंसिल कर दी गई है। मस्कट जाने वाला ओमान एयर का विमान सुबह 9.05 बजे के बजाय दोपहर 12.20

बजे उड़ान भरा। लखनऊ से पटना जाने वाला इंडिगो विमान सुबह 10.40 के बजाय दोपहर 12.10 पर 2 घंटे लेट रवाना हुआ। दोपहर 11.50 बजे दुबई जाने वाली फ्लाइट 1 बजे लखनऊ एयरपोर्ट से रवाना हुआ। दोपहर 2.10 पर चंडीगढ़ जाने वाला इंडिगो एयरलाइंस का विमान शाम 5.15 बजे जाएगा। दोपहर 2. 15 बजे दिल्ली जाने वाला एयर इंडिया विमान दोपहर 3.20 पर रवाना होगा। मुंबई जाने वाला अकासा एयरलाइंस का विमान शाम 5.30 बजे के बजाय शाम 7.50 बजे पर रवाना होगा। मस्कट से लखनऊ आने वाला सलाम एयर का विमान शनिवार तड़के 3.15 बजे आने के बजाय 45 मिनट देरी से करीब 4 बजे लखनऊ पहुंच सका। दम्माम से सुबह 6.25 बजे लखनऊ आने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान करीब ढाई घंटे देरी से 9 बजे पहुंचा। इसी तरह दिल्ली से सुबह 7.55 बजे आने वाला एयर इंडिया एक्सप्रेस का विमान करीब एक घंटा देरी से 9 बजे लखनऊ पहुंच सका। रियाद से सुबह 9 बजे आने वाला फ्लायनास का विमान करीब 2 घंटा देरी से 11 बजे लखनऊ में लैंडिंग कर सकेगा। विमानों के रद्द होने और लेट लतीफ होने के कारण यात्रियों को भारी परेशानियां उठानी पड़ी।

लखनऊ में बिना लाइसेंस कुत्ता घुमाने पर 25 हजार जुर्माना

नगर निगम टीम ने हैनीमैन चौराहा और विभव खंड में की कार्रवाई, 1 कुत्ता जब्त

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में बिना लाइसेंस कुत्ता घुमाने वाले लोगों के खिलाफ नगर निगम ने कार्रवाई की है। सुबह के समय में पेट डॉग लाइसेंस चेकिंग टीम और डॉग कैचिंग स्क्वाड ने जोन 4 के हनीमैन चौराहा, वास्तु खंड और विभव खंड में कार्रवाई की है। निगम की टीम ने 5 लोगों से 25 हजार रुपए की वसूली की है।

इस दौरान 5 कुत्तों के लाइसेंस भी बनाए गए। साथ ही लाइसेंस नहीं बनवाने वाले लोगों पर 30 हजार का जुर्माना भी लगाया गया है। प्रभारी राजेश उपाध याय, फुरकान, विवेक, मनोज सिंह,रामकुमार ने यह अभियान चलाया है। टीम ने एक कुत्ते को लाइसेंस नहीं होने पर जब्त कर लिया। बाद में लाइसेंस बनवाने और जुर्माना देने पर कुत्ते को छोड़ दिया गया। चेकिंग टीम को देखकर कई लोग अपने कुत्तों को लेकर भागते दिखे। कई लोग ऐसे भी मिले जिनका लाइसेंस और वैक्सीनेशन कार्ड बना हुआ था। शहर में कुल पालतू कुत्तों की संख्या लगभग 10,000 है। लाइसेंस रैबीज टीकाकरण की पुष्टि के बाद बनता है। लखनऊ नगर निगम श्वान नियंत्रण उपविधि 2003 पालन का शपथ पत्र देने के उपरांत ही नगर निगम द्वारा निर्गत किया जाता है।लाइसेंस लखनऊ नगर निगम की वेबसाइट lmc.up.nic.in पर ऑनलाइन डॉग रजिस्ट्रेशन पर जाकर बन सकता है। पशु कल्याण अधिकारी कार्यालय, लालबाग नगर निगम मुख्यालय से किसी भी कार्य दिवस में बनवाया जा सकता है। इसके लिए जयंत सिंह मो नंबर–9511156792 और अफसर अली मोबाइल नंबर 9721095021 पर संपर्क किया जा सकता है।

नया पर्यटन केन्द्र के रूप में उभर रहा रामायण सांस्कृतिक केंद्र

लखनऊ(संवाददाता)। देश की नई पीढ़ियों को रामायण की शिक्षाओं को गहराई से समझाने और अद्वितीय अनुभव प्रदान करने के लिये शुरू किया गया रामायण सांस्कृतिक केंद्र भारत का नया पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। जिसका उद्देश्य न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत करना है, बल्कि इस क्षेत्र में पर्यटन और अन्य विकास कारकों को भी बढ़ावा देना भी है। नागपुर के निकट कोराडी मंदिर परिसर में स्थित रामायण सांस्कृतिक केंद्र चन्द्रशेखर बावनकुले का विजन रहा है जो रामायण सांस्कृतिक केंद्र भारतीय विद्या भवन के उपाध्यक्ष और ट्रस्टी बनवारी लाल पुरोहित के दिमाग की खोज है। इस केन्द्र का उद्‌घाटन भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने किया था। अत्याधुनिक तकनीक और परंपरा के प्रति श्रद्धा के साथ, रामायण सांस्कृतिक केंद्र एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है। आगंतुक आधुनिक प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं के माध्यम से रामायण की शिक्षाओं को गहराई से समझ सकते हैं, जिससे भारत की आध्यात्मिक जड़ों से उनका गहरा जुड़ाव होगा। यही नहीं पिछले साल 22 जनवरी को राम मंदिर के उद्‌घाटन ने भारत के सांस्कृतिक गौरव के पुनरुत्थान का संकेत दिया, और रामायण सांस्कृतिक केंद्र इस भावना को और आगे बढ़ाता है। चंद्रशेखर बावनकुले का नेतृत्व इस पहल का केंद्र रहा है, जो यह सुनिश्चित करता है कि यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण का केंद्र बने। इस केंद्र में इमर्सिव डिजिटल डिस्प्ले, ऐतिहासिक कलाकृतियां और शैक्षिक अनुसंधान के लिए स्थान हैं, जो इसे एक सांस्कृतिक एपीसेंटर बनाता हैं जो दुनिया भर से आगंतुकों को आकर्षित करता है। बावनकुले का विजन बुनियादी ढांचे से परे है, यह एक ऐसा स्थान बनाने के बारे में है जो शिक्षित करता है, प्रेरित करता है और एकजुट करता है।

सम्पादकीय........

निशाने पर मुजीब

बांग्लादेश में उग्र छात्र आंदोलन के बाद जो स्थितियां बनी हैं वे न तो इस देश के हित में हैं और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों के पक्ष में। जनविद्रोह की स्थितियों के बीच तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना के पलायन के बाद लगातार बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर्रहमान के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। जिसकी शुरुआत तब देखने को मिली, जब अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पिछले साल 16 दिसंबर को बिजॉय दिबोश यानी विजय दिवस के मौके पर दिए गए संबोधन में युवा राष्ट्र के संस्थापक कहे जाने वाले शेख मुजीबुर रहमान का उल्लेख तक नहीं किया। उल्लेखनीय है कि यह दिवस भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1971 में जहां भारतीय रक्षा बलों के सामने पाकिस्तान की विशाल सेना के आत्मसमर्पण की याद दिलाता है, वहीं बांग्लादेश के दमन व अत्याचार से मुक्ति का भी दिन है। इस संदर्भ में मोहम्मद यूनुस ने जहां अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के शासन को दुनिया के सबसे बुरे निरंकुश शासन के रूप में वर्णित किया, वहीं मुजीबुर्रहमान की पूरी तरह अवहेलना की। निश्चित रूप से यह देश के संस्थापक की उपेक्षा के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन में आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों का भी अपमान है। दरअसल, राजनीतिक दुराग्रह के चलते अंतरिम सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को भले ही मिटा न सके,लेकिन वो इसे कमजोर करने पर जरूर अमादा है। यहां तक कि शैक्षिक पाठ्यक्रम से भी छेड़छाड़ की जा रही है। कहा जा रहा है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश के प्राथमिक व माध्यमिक स्कूलों के पाठ्यक्रम में बताएगी कि देश को आजाद कराने में मुजीबुर्रहमान ने नहीं बल्कि जियाउर रहमान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। उन्होंने ही बांग्लादेश को स्वतंत्र करने की घोषणा की थी। इस तरह अराजकता व अल्पसंख्यकों पर हमलों के बीच नये विमर्श गढ़ने की कोशिश की जा रही है। दरअसल, अंतरिम सरकार और कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। निश्चित रूप से बांग्लादेश मुक्ति अभियान के दौरान जियाउर रहमान एक सम्मानित सैन्य अधिकारी थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने 1971 के युद्ध में विशिष्टता के साथ सेवाएं दी थी। वे कालांतर बांग्लादेश के राष्ट्रपति भी बने थे। अपदस्थ सरकार के कर्ताधर्ता दलीलें दे रहे हैं कि उनके योगदान को राष्ट्र द्वारा उचित रूप से सम्मान देना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि इसके जरिये मुजीबुर्रहमान के योगदान को कम करने की कोशिशें भी की जा रही हैं। जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार करना अनुचित ही होगा। दरअसल, यह सिर्फ सत्ता के केंद्र में आए व्यक्तियों की बयानबाजी तक ही सीमित नहीं है बल्कि बांग्लादेश में मुजीब के चित्र वाले नोटों को भी चरणबद्ध तरीके से बंद करने की कुत्सित कोशिशें की जा रही हैं। निश्चित रूप से गलत दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि तमाम निर्णय कहीं न कहीं राजनीतिक दुराग्रहों से प्रेरित हैं। इसके बावजूद कि बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार खुद को बार–बार अराजनीतिक कहने से नहीं चूकती। यहां उल्लेखनीय है कि जियाउर रहमान की विधवा और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया, फिलहाल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की प्रमुख हैं। जिसके साथ कार्यवाहक सरकार के मधुर रिश्ते हैं। वहीं सत्ता हासिल करने को बेताब बीएनपी चुनाव में हो रही देरी से भी बेचैन हो रही है। दरअसल, सरकार पर उन छात्र नेताओं का भी बड़ा दबाव है, जिन्होंने शेख हसीना के खिलाफ हुए आंदोलन का नेतृत्व किया था। जिसके बाद शेख हसीना को बांग्लादेश छोड़कर भागना पड़ा था। कालांतर उन्होंने भारत में शरण ली थी। असल में, छात्र नेता दबाव बना रहे हैं कि वर्ष 1972 के बांग्लादेश के संविधान को फिर लिखा जाए। वे संविधान को मुजीबिस्ट चार्टर बता रहे हैं। आरोप है कि इसी ने भारत की आक्रामकता का मार्ग प्रशस्त किया। निश्चित रूप से मुजीब विरोधी आख्यान और भारत विरोधी बयानबाजी मिलकर बांग्लादेश की लोकतांत्रिक आकांक्षाओं पर पानी फेर सकती हैं। ढाका को सलाह दी जानी चाहिए कि न तो वो दिल्ली से रिश्ते खराब करे और न ही मुजीब को इतिहास के कबाड़ के हवाले करे।

केजरीवाल ने लिया नरम हिंदुत्व का सहारा

सुशील कुट्टी

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की शानदार मौजूदगी में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी खो गयी थीं, उस समय जब आतिशी मंत्री थीं और खुद केजरीवाल मुख्यमंत्री। आज भी आतिशी चुनावी अभियान में बहुत प्रभावी नहीं लग रही हैं, जबकि आप के कई अन्य नेता आधिक प्रभावी लग रहे हैं। केजरीवाल का फायदा यह है कि वे जेल गये। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी जेल गये। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल गये। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी जेल गये। आतिशी को ऐसा सम्मान नहीं मिला, लेकिन केजरीवाल का कहना है कि आतिशी पर भी झूठे आरोप लगाये जायेंगे। मुख्यमंत्री पद पर आतिशी एक अस्थायी विकल्प हैं। केजरीवाल बच्चों की कैंडी की तरह फिर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं! लेकिन इस बार यह आसान नहीं है। जेल की चिड़िया तमगे के कारण केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए लगातार तीसरी (चौथी?) जीत मिल सकती है। अरविंद केजरीवाल के पास एक सुरक्षा कवच है, हालांकि यह आप को चुनाव जीतने में कैसे मदद करेगा, यह एक रहस्य है। केजरीवाल ने जो मुद्दे उठाये और वायदे किये हैं, वे बदलाव की ओर इशारा करते हैं। धर्मनिरपेक्ष से केजरीवाल श्नरम हिंदुत्वश की ओर बढ़ गये हैं। अनिश्चितता राजनेताओं को ऐसा कराती है। केजरीवाल अब पहले जैसे आत्मविश्वासी नहीं रहे। दिल्ली चुनाव के इस संस्करण में केजरीवाल संदेह से ग्रस्त हैं। समय की मांग के अनुरूप हिंदुत्व की ओर बदलाव का माहौल मोदी और योगी के पक्ष में है, जिससे केजरीवाल को नरम हिंदुत्व की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। आम धारणा के विपरीत, केजरीवाल हिंदुओं के करीब हैं, हिंदुओं के शुभचिंतक हैं और मददगार भी हैं! किसने सोचा होगा कि केजरीवाल द्वारा उठाये गये हिंदू मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी को मुंह की खानी पड़ेगी? आप कुख्यात हिंदुत्ववादी भाजपा से अधिक हिंदू दिखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। नये साल की पूर्व संध्या पर केजरीवाल ने दिल्ली के हिंदू पुजारियों और सिख श्ग्रंथियोंश के लिए 18000 रुपये प्रति माह मानदेय की घोषणा की, अब भाजपा ने इस बारे में क्यों नहीं सोचा, उन्होंने भाजपा को भाजपा शासित राज्यों में भी ऐसा करने की चुनौती दी। क्या दिल्ली मंदिरों और पुजारियों, गुरुद्वारों और ग्रंथियों से भरी पड़ी है? विडंबना यह है कि केजरीवाल की इस योजना की घोषणा तब की गयी जब दिल्ली के मौलाना और मौलवी पिछले 18 महीनों से आप सरकार द्वारा दिये गये श्वेतनश के वितरण न किये जाने का विरोध कर रहे थे। केजरीवाल का मौलाना आउटरीच आप की मुस्लिम–फर्स्ट नीति का हिस्सा था, जिसका मुकाबला भाजपा नहीं कर सकी।

आज, भाजपा आप की हिंदू आउटरीच के खिलाफ शिकायत कर रही है। क्या केजरीवाल भाजपा को परेशान कर रहे हैं? क्या अब जब केजरीवाल ने नरम हिंदुत्व का रंग ले लिया है, तो भाजपा अपने हिंदुत्व को लेकर सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है? क्या भाजपा के पास श्एक हैं तो सुरक्षित हैंश जैसे नरेंद्र मोदी के नारे और बंटेंगे तो कटेंगे जैसे योगी आदित्यनाथ के नारे जैसे शक्तिशाली हिंदुत्व–प्रतीक नहीं हैं? योगी आदित्यनाथ पिछले सप्ताह दिल्ली में एक जोरदार भाषण देने आये थे। उन्होंने भाजपा समर्थकों की भीड़ से कहा, श्आपकी दिल्ली गंदी है, शीला दीक्षित के कार्यकाल में यह बहुत साफ थी।श श्सुरक्षा और सफाई के लिए गाजियाबाद और नोएडा आइये। केजरीवाल ने नहीं सुना, उन्होंने नये साल की पूर्व संध्या पर भाजपा के साथ मतदाताओं के नाम हटाने और कैश–फॉर–वोट के बारे में आरोप लगाये, जो भाजपा के खिलाफ एक शिकायत थी, जिसे केजरीवाल ने परम पूजनीय मोहन भागवत के पास दर्ज कराया, जो चाहते हैं कि श्सामाजिक सद्भावश के लिए समझदार हिंदू आवाजें प्रबल हों, जो उनके दिल के करीब का विषय है। क्या अरविंद केजरीवाल आरएसएस प्रमुख की चाहत के अनुसार श्भूतश साबित होंगे और हिंदू कट्टरपंथी हुए बिना हिंदुत्व नेता बनेंगे? केजरीवाल हनुमान–भक्त हैं और वह मस्जिद के नीचे शिवलिंग की तलाश करने वाले आखिरी राजनेता होंगे। हनुमान को कभी भी शिव या कृष्ण के साथ नहीं जोड़ा गया है, केवल भगवान राम के साथ जोड़ा गया है। अयोध्या राम मंदिर का पूजा स्थल अधिनियम, 1991 से भी कोई लेना–देना नहीं है। क्या अरविंद केजरीवाल अयोध्या राम मंदिर गये थे? क्या दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने अयोध्या निवास में भगवान राम को नमन किया? पिछले हफ्ते आतिशी ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर दिल्ली में मंदिरों को गिराने का आदेश देने का आरोप लगाया, जिसे सक्सेना ने झूठ बताया। आतिशी पीछे नहीं हटीं, वह आप के नरम–हिंदुत्व को व्यक्त कर रही थीं, जिसके कई अर्थ हैं, जिनमें से एक अक्सर सामने आता है – इन चुनावों में आप की घबराहट। दिल्ली में अजेय समझे जाने वाली आप एक मुद्दे से दूसरे मुद्दे में उलझ रही है। अगर यह बांग्लादेशियों, रोहिंग्या और पूर्वांचलियों के बारे में नहीं है, तो यह पानी और भ्रष्टाचार या महिलाओं को लक्षित करने वाली योजनाओं के बारे में है। अरविंद केजरीवाल यह आभास दे रहे हैं कि वे भीड़–भाड़ और तंगहाली से घिरे हुए हैं, उन्हें इस बात की चिंता है कि पार्टी और उनके लिए क्या होने वाला है। उन्हें एहसास है कि वे जीत के लिए मुसलमानों और मुफ्तखोरी पर पूरा भरोसा नहीं कर सकते! क्या होगा अगर दिल्ली के मतदाता महाराष्ट्र के मतदाताओं और हरियाणा के मतदाताओं और उत्तर प्रदेश के नौ उपचुनावों में मतदान करने वालों की तरह बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं के लिए वोट करें? समय की भावना हिंदुत्व के पक्ष में है, कम से कम हिंदी–क्षेत्र में और दिल्ली भी हिंदी–क्षेत्र का हिस्सा है। इसका मतलब यह नहीं है कि भाजपा 100प्रतिशत जीत की उम्मीद कर रही है? कथित लाभों के बावजूद, भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। उसे नहीं पता कि अरविंद केजरीवाल अपनी चुनावी टोपी से क्या निकालते हैं। अगर केजरीवाल से ज्यादा चुनाव–समझदार कोई राजनेता है, तो उस सज्जन ने अभी तक अपना चेहरा नहीं दिखाया है और अपनी टोपी चुनावी घेरे में नहीं डाली है। इसके अलावा, दिल्ली के मतदाताओं ने मुफ्तखोरी के लिए अपनी लालसा नहीं खोई है। अगर कोई जानता है कि यह कैसे संभव है, तो यह एक अच्छा विचार है। बिना खर्च के जीने के स्वाद को यदि कोई जानता है तो तो वह है दिल्ली का आम मतदाता। दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल और उनके वायदों के आदी हो चुके हैं, चाहे वे वास्तविक हों या खोखले। वह आदमी भले ही दोहरी भाषा बोलता हो और उसका चेहरा दिखावटी हो। लेकिन वह जो कुछ भी कहता या वायदा करता है।

कैसे डगमगाती भारतीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा किया

अंजन रॉय

तैंतीस साल जीवन का आधा हिस्सा होते हैं। तैंतीस साल पहले, डॉ. मनमोहन सिंह ने एक वरिष्ठ सरकारी नौकरी से औपचारिक सेवानिवृत्ति के बाद, एक हाई–प्रोफाइल लाइमलाइट में कदम रखा। जब पिछले शुक्रवार को 92 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ, तो उन्हें भारत का सबसे बड़ा वित्त मंत्री और भारत की आधुनिक अर्थव्यवस्था का निर्माता माना जाता था। वर्तमान में डॉ. मनमोहन सिंह के लिए प्यार और मान्यता का राष्ट्रीय प्रवाह है, जो विडंबना है कि उनके जीवनकाल में अनुपस्थित था। इसके विपरीत, अक्सर उनका तिरस्कार और अपमान किया जाता था। एक उत्साही और प्रतिबद्ध आर्थिक सुधारक के रूप में, आर्थिक सुधारों के प्रति उनका दृष्टिकोण भी संतुलित था और कभी भी भारत के वित्त प्रबंधन की मशाल थामे हुए अन्य लोगों की तरह उत्साही नहीं था। इससे भारत को बहुत सी पीड़ाओं से बचाया जा सका। 33 साल पहले 1991 में भारत की स्थिति बहुत ही खराब थी। भारत गहरी राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था। देश को बाहरी समाधान की समस्या का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि श्खजानाश खाली था। इसके अलावा, राजीव गांधी की तमिल उग्रवादियों द्वारा हत्या कर दी गयी थी, जिससे राजनीतिक शून्य पैदा हो गया था। 1991 के आम चुनावों में, कांग्रेस सत्ता में आयी और पी. वी. नरसिंह राव को सेवानिवृत्ति से वापस बुलाकर प्रधानमंत्री बनाया गया। नये प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता एक सक्षम वित्त मंत्री की तलाश थी। प्रधानमंत्री राव की पहली पसंद डॉ. आई.जी. पटेल थे, जो कभी आरबीआई गवर्नर थे और विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे। पटेल उस समय गुजरात में अपने गृहनगर में बस गये थे और वहां से हटने को तैयार नहीं थे। पटेल ने डॉ. मनमोहन सिंह का सुझाव दिया, जो उस समय तक सरकार की आर्थिक नीतियों को संभालने वाले लगभग हर संभव पद पर थे –आरबीआई गवर्नर से लेकर योजना आयोग में सदस्य–सचिव तक। वह पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के आर्थिक सलाहकार भी थे। प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने पी.सी. अलेक्जेंडर के माध्यम से उनसे संपर्क किया और जेनेवा से लंबी उड़ान के बाद उन्हें नींद से जगाया। अलेक्जेंडर अभी–अभी जेनेवा में दक्षिण–दक्षिण आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने के बाद लौटे थे। यहां दो सेवानिवृत्त व्यक्तियों के नेतृत्व में एक नयी सरकार थी। विडंबना यह है कि उस टीम ने भारत को विकास और भविष्य की प्रतिष्ठा की नयी यात्रा पर डाल दिया है। इसके बाद की कहानी को एक ही वाक्य में बयां किया जा सकता हैरू नई सुबह की तलाश में दो बूढ़े आदमी। वित्त मंत्री के रूप में अपनी पसंद का जिक्र करते हुए, मनमोहन सिंह ने अपने लेखों और भाषणों के संग्रह की एक पुस्तक के विमोचन के दौरान कहा था कि वे न केवल एक श्आकस्मिक प्रधानमंत्रीश थे, जैसा कि कुछ लोगों ने कहा, बल्कि एक श्आकस्मिक वित्त मंत्रीश भी थे। उस समय ऐसी ही अस्थिर स्थिति थी, जब 24 जुलाई 1991 को डॉ. मनमोहन सिंह ने अपना पहला बजट पेश किया था। मनमोहन सिंह का 1991 का बजट उनके बजट भाषण की प्रशंसात्मक पंक्तियों के कारण अर्थशास्त्रियों के लिए किंवदंती बन गया था। नरसिम्हा राव सरकार ने 21 जून को शपथ ली थी। बजट से पहले के महीने में, कुछ सबसे महत्वपूर्ण सुधार पहले ही पेश किये जा चुके थे, जिन्होंने तब से भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा तय की है। इनमें से कुछ भारतीय अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम थे। भारतीय रुपये का अवमूल्यन उनमें से कोई कम नहीं था। रुपये का अवमूल्यन एक अतिसंवेदनशील मामला था। 1966 में पहले हुए अवमूल्यन ने इसे आपदा से कम नहीं साबित किया था। संकट की आशंका को देखते हुए मनमोहन सिंह ने अपने प्रधानमंत्री नरसिंह राव को आगाह किया कि इस मुद्दे को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास नहीं भेजा जाना चाहिए, बल्कि इसे वहीं पारित कर दिया जाना चाहिए ।गोपनीयता बनाये रखने के लिए मनमोहन सिंह ने अवमूल्यन पर एक हस्तलिखित नोट तैयार किया और प्रधानमंत्री से मंजूरी ले ली, जिन्होंने क्रमिक और नरम दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी थी। इस झटके को कम करने के लिए डॉ. सिंह ने दो चरणों में अवमूल्यन का सुझाव दिया – पहला अपेक्षाकृत छोटा और दूसरा थोड़ा बड़ा। मुझे अभी भी याद है कि पहले अवमूल्यन से कितनी हलचल मची थी। वित्त मंत्रालय को कवर करने वाले हम आर्थिक पत्रकारों को संकेत मिले थे कि पहले चरण के अवमूल्यन के बाद प्रधानमंत्री खुद ही ठंडे पड़ गये थे और उन्होंने अपने वित्त मंत्री को दूसरी खुराक रोकने का निर्देश दिया था। मनमोहन सिंह ने 3 जून की सुबह आरबीआई के विदेशी मुद्रा मामलों के प्रभारी डिप्टी गवर्नर डॉ. सी. रंगराजन को फोन करके कहा था।

कि उन्हें दूसरा अवमूल्यन रोक देना चाहिए। हालांकि, डॉ. रंगराजन ने डॉ. सिंह को बताया कि यह काम पहले ही हो चुका है! डॉ. रंगराजन और उनके विनिमय नियंत्रण विभाग पहले ही इसमें कूद पड़ा था, मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने अपने संस्मरण में इस सबसे दिलचस्प बात को याद किया है। संयुक्त अवमूल्यन का प्रभाव दो दिशाओं में एक हथौड़े के प्रहार जैसा होना था। सबसे पहले, रुपये में एक गहरा अवमूल्यन इस मुद्रा में व्यापक हवाला लेनदेन को समाप्त कर सकता था। दूसरे, इसके परिणामस्वरूप, यह सोने की तस्करी के लिए एक बड़ा झटका होने वाला था। इन कदमों के साथ–साथ, वित्त मंत्री ने आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सोने के आयात मानदंडों को उदार बनाया था। बाद में, जब तत्काल संकट खत्म हो गया, तो रुपये की विनिमय दर को व्यापार खाते में पूरी तरह से परिवर्तनीय बना दिया गया–यानी निर्यात और आयात के लिए। भारतीय रुपये की विनिमय दर को बाजार द्वारा निर्धारित करने से सबसे बड़ा अंतर आया और इसके अच्छे प्रभाव अभी भी काम कर रहे हैं। विनिमय दर सुधारों ने भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था को बाकी दुनिया के साथ बाजार से जुड़ा लचीलापन दिया। इस प्रकार, अतिरिक्त बाजार हेरफेर से लाभ के लिए प्रोत्साहन और गुंजाइश गायब हो गयी और एक स्वचालित सुधारात्मक तंत्र शुरू किया गया ।उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन जब रुपया तैरने के लिए तैयार था, दिन के अंत तक यह लगभग 16 रुपये प्रति डॉलर से गिरकर लगभग 24रुपये डॉलर हो गया था। इसने आयात को महंगा और निर्यात को सस्ता बना दिया। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर मांग बाहरी बाजारों से घरेलू बाजार में स्थानांतरित हो गयी। बहुत बाद में, 2014 में टेपरटैंट्रम के दौरान, लचीली विनिमय दर ने भारत को सबसे खराब वित्तीय गिरावट से बचाया। विनिमय बाजार सुधारों के साथ–साथ, नये वित्त मंत्री और उनकी टीम ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए स्टॉक और शेयरों में द्वितीयक बाजार भी खोला। इससे निवेश डॉलर का आवक प्रवाह शुरू हुआ। एफडीआई को भी उदार बनाया गया। इन उपायों का समग्र प्रभाव यह था कि 1991 जून–जुलाई में, भारत के पास मुश्किल से 1 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था, जो केवल एक सप्ताह के आयात को पूरा करने के लिए ही पर्याप्त था, दो साल में देश अत्यधिक विदेशी मुद्रा की समस्या का सामना कर रहा था। मुझे नई दिल्ली के रफी मार्ग पर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक बैठक याद है, जहां तत्कालीन वित्त सचिव मोंटेक सिंह अहलूवालिया घरेलू कीमतों में समग्र वृद्धि को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा प्रवाह को रोकने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा कर रहे थे। एक निश्चित विनिमय दर प्रणाली के साथ आज की भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर बनाने पर विचार करें, और तब अर्थव्यवस्था की वर्तमान विशेषताओं में से किसी को भी समायोजित करना असंभव होगा।

स्कूली शिक्षाः चिंताजनक तस्वीर

एक ओर तो भारत विश्वगुरु होने का दावा कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरह स्कूली शिक्षा में बड़ी गिरावट की रिपोर्ट सामने आ रही है जो बेहद चिंताजनक है। स्वयं केन्द्र सरकार द्वारा जो आंकड़े जारी किये गये हैं वे भारत की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं– वर्तमान व भावी दोनों ही। कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि ज्ञान के बिना कैसा भारत बनेगा। वैसे तो सम्बन्धित विभाग द्वारा इन आंकड़ों को अब न्यायसंगत बतलाने की कवायद भी जारी है, लेकिन यथार्थ यही है कि शिक्षा के मामले में भारत में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। स्कूली शिक्षा ही उच्चतर शिक्षा, शोध और यहां तक कि अध्ययन के पश्चात देश को चलाने वाली पीढ़ी के स्तर को भी तय करती है। अगर नयी पीढ़ी का शैक्षणिक स्तर खराब रहा तो, जैसा कि आंकड़े बतला रहे हैं, देश का एक स्याह व निराशाजनक भविष्य ही दिखता है। सरकार को चाहिये कि तमाम मतांतरों को एक तरफ रखकर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाये। सभी तरह के पूर्वाग्रहों को छोड़कर हर बच्चे को स्कूली शिक्षा, वह भी गुणवत्तायुक्त दिलाना सरकार का पहला कर्तव्य होना चाहिये। शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) द्वारा साल 2023–24 की जो रिपोर्ट जारी की गयी है, उसके अनुसार इस वर्ष के दौरान देश भर के स्कूलों में 37 लाख नामांकनों की कमी आई है। यूडीआईएसई नामक यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों के आंकड़े एकत्र करता है। उसके अनुसार 2022–23 में 25.17 करोड़ नामांकित विद्यार्थी थे जो 2023–24 में घटकर 24.80 करोड़ हो गये। छात्र 21 लाख और छात्राएं 17 लाख घट गयीं। अल्पसंख्यकों की संख्या 20 फीसदी कम हुई। हालांकि इस विभाग के अधिकारी इन आंकड़ों को तर्कसंगत बताने की कोशिश करते हुए कह रहे हैं कि डेटा संग्रहण प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। 2021–22 के पहले तथा अब के आंकड़ों में तुलना नहीं हो सकती और वास्तविक स्थिति अलग है। वे यह भी बतला रहे हैं कि 2030 तक सभी स्तरों तक स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराई जायेगी। अन्य तथ्यों तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा 2030 से सम्बन्धित तमाम दावों को एक ओर रख दिया जाये, तो भी इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह स्थिति कोई उम्मीद लेकर नहीं आती ।आधुनिक विश्व में शिक्षा का महत्व सभी जानते हैं। बगैर अथवा गुणवत्ताहीन शिक्षा के आधार पर कोई भी व्यक्ति, समाज या देश विकास की कल्पना भी नहीं कर सकता। जो भी देश आज अग्रणी, विकसित और सही मायनों में आधुनिक हैं, वे दरअसल अनिवार्य, सभी की सहज पहुंच वाली तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था के कारण ही हैं। इसलिये

आधुनिक भारत के निर्माताओं ने इस पर बहुत जोर दिया था। वर्षों की गुलामी से बाहर निकले भारत को सीमित संसाधनों व अनेक दुश्वारियों के बावजूद तेजी से विकास की राह पर अग्रसर करने के लिये आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बुनियाद रखी गयी थी। देश भर में शासकीय स्कूलों एवं कॉलेजों का जाल बनाया गया। राष्ट्र निर्माताओं की वह ऐसी पीढ़ी–लिखी जमात थी जो उच्च शिक्षित तथा विद्वान थी। इसलिये उसे शिक्षा का महत्व मालूम था। इसी शिक्षा व्यवस्था ने देश को जल्दी ही आधुनिक देशों की पंक्तियों में ला खड़ा किया था। न सिर्फ शालेय शिक्षा बल्कि उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिये भी अल्प समय में कई विश्वविद्यालय, आईआईएम, इंजीनियरिंग, आईआईटी जैसे संस्थान खोले गये थे। इनसे निकले युवाओं ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ज्यादातर सरकारों ने इसकी महत्ता को जान–समझकर देश की शिक्षा प्रणाली को बेहतर करने की उत्तरोत्तर कोशिशें कीं लेकिन 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इसकी जैसी उपेक्षा की, वैसी आजाद मुल्क ही नहीं वरन अंग्रेजी शासनकाल में भी नहीं हुई थी। यह उपेक्षा अनायास नहीं वरन सायास है और हीनभावना से ग्रस्त शासकों द्वारा की गयी है जो पढ़ने–लिखने से दूर तक नाता न रखने वाले हैं। प्रबुद्ध समाज को यह सरकार मानो अपना दुश्मन मानती है। इस मद में सरकार का बजट घटता चला गया है या उसका बड़ा हिस्सा उपयोग में नहीं लाया जाता। दशक भर में देश में बड़ी संख्या में स्कूल बन्द हुए हैं या जरूरी साधनों के बिना खाना–पूरी के लिये चल रहे हैं। एक सुनियोजित चाल के तहत शिक्षा को बेकार साबित करने की कोशिशें की जाती हैं। कभी हार्वर्ड बनाम हार्ड वर्क कहकर विद्वता का मजाक उड़ाया जाता है तो कभी यह कहकर आधुनिक शिक्षा को खारिज किया जाता है कि यह मैकाले की देन है। या फिर भारतीय संस्कृति को नष्ट करने के लिये परम्परागत गुरुकुल खत्म कर दिये गये। इससे भी खतरनाक खेल यह खेला जा रहा है कि युवा पीढ़ी की रुचि ही शिक्षा या ज्ञान प्राप्ति में खत्म की जा रही है। स्कूलों के सिलेबस के जरिये गैर वैज्ञानिक और अतार्किक शिक्षा परोसी जा रही है। साथ ही, युवा व छात्र वर्ग अब शिक्षा में कम राजनीतिक व धार्मिक व्यक्तियों तथा संगठनों के एजेंडों को पूरा करने में व्यस्त है। सियासी व धार्मिक जुलूसों एवं गतिविधियों में नयी पीढ़ी का पूरा समय और ऊर्जा खप रही है। शिक्षा की ओर से यह पीढ़ी स्वयं मुंह मोड़कर सियासतदानों को अवसर दे रही है कि शिक्षा विभाग के खर्चों को कम कर सके। इस बाबत यदि कोई आवाज उठाता है तो उसे सरकार विरोधी या एक विचारधारा के खिलाफ मान लिया जाता है। भारत की बुनियादी शिक्षा कमजोर होती है तो वह सरकार व राजनीतिक दलों के लिये तो लाभदायक है, पर समाज व देश के लिये घातक साबित होगी।

‘मैं किसी के साथ रिश्ते में’

पॉपुलर एक्ट्रेस श्रुति हासन ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है जिसमें अभी तक शादी ना करने की वजह बताई है. एक्ट्रेस रिलेशनशिप में विश्वास करती हैं और उसमें रहना भी चाहती हैं लेकिन शादी को लेकर उनके ख्याल दूसरे हैं. मैं किसी के साथ रिश्ते में...श शादी पर क्या है श्रुति हासन की राय? एक्ट्रेस ने किया हैरान करने वाला खुलासा साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस श्रुति हासन बेबाकी से अपनी बात रखना पसंद करती हैं. उन्हें किसी ने धोखा दिया, किसी के साथ रिलेशनशिप में रहीं या शादी क्यों नहीं करना चाहती हैं३ इन सभी टॉपिक्स पर श्रुति खुलकर बात करती हैं. एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी शादी से लेकर रिलेशनशिप तक सबकुछ बताया. पिंकविला को दिए इंटरव्यू में श्रुति हासन ने अपनी लाइफ से जुड़ी कुछ अहम बातें बताईं. वो रिलेशनशिप में रहना पसंद तो करती हैं लेकिन शादी को लेकर उनके ख्याल दूसरे हैं. श्रुति ने इस इंटरव्यू में क्या–क्या कहा, आइए जानते हैं. शादी पर क्या सोचती हैं श्रुति हासन? इंटरव्यू में श्रुति हासन से उनके पिछले एक बयान के बारे में पूछा गया. उसमें एक्ट्रेस ने बिल्कुल भी शादी नहीं करने की इच्छा पर बात की थी. एक्ट्रेस ने जोर देते हुए कहा था कि वो अभी भी अपनी उसी बात पर कायम हैं, साथ ही एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो शादी करने से ज्यादा एक रिश्ते में रहना पसंद करतीं हैं. अपनी च्वाइस पर बात करते हुए श्रुति हासन ने कहा कि उन्हें रिलेशनशिप में रहना पसंद है. उन्हें लव और रोमांस पसंद है, लेकिन ये सबकुछ उनको रिलेशन में अच्छा लगता है. श्रुति ने अपनी बात को समझाते हुए कहा कि मैं खुद को किसी से काफी ज्यादा जोड़ लेती हूं लेकिन मैं कभी किसी को ना नहीं कह सकती. कोई आ गया अनमोल रतन जैसा और मेरा मन बदल जाए तो ये अलग बात है.’ पास्ट एक्सपीरियंस पर क्या बोलीं श्रुति हासन? जब श्रुति से पूछा गया कि क्या प्यार में उनके पिछले अनुभवों का उनकी

“ शादी पर क्या है श्रुति हासन की राय ? एक्ट्रेस ने किया हैरान करने वाला खुलासा

शादी की बात से कुछ लेना देना है, तो एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि ये शायद सिर्फ उनकी अपनी सोच थी. एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने अपने आसपास कई सफल, खुशहाल और खूबसूरत शादियां देखी हैं, जिनका असल में उनकी पसंद पर कोई असर नहीं पड़ा. श्रुति कहती हैं कि लाइफ में अगर कोई सही मिला और लगा तो शादी कर सकतीं हैं लेकिन फिलहाल उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है. श्रुति हासन का फिल्मी करियर सुपरस्टार कमल हासन और एक्ट्रेस सारिका की बड़ी बेटी श्रुति ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है. श्रुति हासन पहली बार स्क्रीन पर फिल्म ‘हे राम’ (2000) में नजर आई थी जो उनके पापा की ही फिल्म थी. 2009 में फिल्म ‘लक’ से श्रुति ने बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद श्रुति ने ‘रमैया वस्तावैया’, ‘डी–डे’, ‘बहन होगी तेरी’, ‘गब्बर इज बैक’ जैसी फिल्मों में काम किया. श्रुति ने बहुत कम हिंदी फिल्में की हैं बाकी वो साउथ सिनेमा में ज्यादा एक्टिव हैं. श्रुति हासन की आने वाली फिल्म ‘सलार 2’ है जो 2026 तक रिलीज हो सकती है. शादी को लेकर क्या बोली श्रुति हसन श्रुति ने यह स्पष्ट किया कि उनका मानना है कि शादी के बजाय एक खुशहाल और मजबूत रिश्ते में रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है, और वे इस बारे में किसी भी प्रकार का दबाव नहीं महसूस करतीं। श्रुति अपने जीवन को अपने तरीके से जीने की प्राथमिकता देती हैं, बजाय समाज की अपेक्षाओं के वह खुद के तरीके से जीवन में आगे बढ़ना चाहती है। श्रुति हसन ने कही दिल की बात श्रुति हसन रिश्तों में तो रुचि रखती हैं, लेकिन गहरे और स्थायी रिश्ते में खुद को पूरी तरह से समर्पित करने से थोड़ा संकोच करती हैं। उनका कहना है कि वे रोमांस और रिश्तों को पसंद करती हैं, लेकिन किसी से गहरे स्तर पर जुड़ने का विचार उन्हें डराता है। श्रुति हसन का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आखिर ऐसा क्यों सोचती हैं श्रुति श्रुति ने स्पष्ट किया कि उनका शादी के प्रति यह नजरिया उनके व्यक्तिगत विश्वासों से जुड़ा हुआ है और यह किसी अतीत के अनुभवों से प्रभावित नहीं है। वह कहती हैं कि उन्होंने अपने दोस्तों के सफल विवाहों को देखा है, लेकिन इसके बावजूद उनके नजरिए में कोई बदलाव नहीं आया है। इसका मतलब है कि उनके विचार आत्मनिर्भर हैं और वे बाहरी उदाहरणों से प्रभावित नहीं होते। शादी को लेकर बार–बार पूछा जाता रहा है सवाल यह पहली बार नहीं है जब श्रुति ने शादी के बारे में बात की है। एक बार इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा, तो उन्होंने मजाक में जवाब देते हुए कहा था, ष्यह सवाल पूछना बंद करें।ष इस तरह के मजाकिया जवाब अक्सर सेलिब्रिटीज के द्वारा दिए जाते हैं, जब वे अपनी निजी जिंदगी के बारे में चर्चा नहीं करना चाहते या किसी विषय पर हल्के–फुल्के तरीके से प्रतिक्रिया देना चाहते हैं। इस फिल्म में नजर आने वाली हैं श्रुतिश्रुति हासन ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड संतानु हजारिका से अपना रिश्ता खत्म किया था। ऐसा बताया जा रहा है कि दोनों लिव–इन रिलेशनशिप में थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रुति जल्द ही साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के साथ फिल्म श्कुलीश में नजर आने वाली हैं, जिसे लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित किया जा रहा है। इस फिल्म में नागार्जुन अक्किनेनी, उपेन्द्र राव, और सौबिन शाहिर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में होंगे। श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनसे शादी को लेकर हमेशा सवाल पूछे जाते हैं। अब अभिनेत्री ने आखिरकार इन सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने हाल ही में यह साफ किया कि वह शादी के बजाय रिलेशनशिप में रहना पसंद करती हैं। बातचीत करते हुए जब श्रुति से उनके शादी न करने के बयान के बारे में पूछा गया तो इस पर जवाब देते हुए उन्होंने अपनी स्थिति को फिर से स्पष्ट किया। श्रुति ने कहा, ष्मुझे नहीं पता।

दीपिका पादुकोण जब इंडस्ट्री में नई थीं तो उन्हें भारत छोड़ने की सलाह मिली थी। लोगों ने दीपिका से कहा कि उन्हें पेरिस, न्यूयॉर्क या मिलान (इटली का शहर) चले जाना चाहिए। हालांकि दीपिका अपने देश में ही रहकर काम करना चाहती थीं। उन्होंने यहीं पर काम करना जारी रखा। दीपिका ने इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के अस्तित्व पर भी बात की। दीपिका ने कहा कि इंडस्ट्री में पहले भी नेपोटिज्म था और आज भी है। दीपिका ने कहा कि जब वो मुंबई आईं तो उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। खाने और रहने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती थी। शहर में कोई अपना नहीं था। हालांकि इन तमाम कठिनाइयों के बावजूद दीपिका ने हार नहीं मानी और मेहनत करना जारी रखा। नतीजतन दीपिका आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार हैं। दीपिका ने अपने देश में काम करना बेहतर समझा दीपिका पादुकोण ने वॉग मैगजीन से बात करते हुए कहा– आज से 15–20 साल पहले भी नेपोटिज्म था। हमारे पास कोई दूसरा ऑप्शन नहीं था। हमारे पेरेंट्स इस फील्ड से नहीं थे, इसलिए हमारे लिए किसी भी कीमत पर खुद को साबित करना था। नेपोटिज्म का रहना उस वक्त भी कोई नई चीज नहीं थी और आज भी नहीं है। मैं जब इंडस्ट्री में एंटर हो रही थी, उस वक्त लोगों ने मुझसे कहा कि फॉरेन चली जाओ। हालांकि मुझे लगता था कि ये देश मेरा है और मुझे यही पर काम करना है।

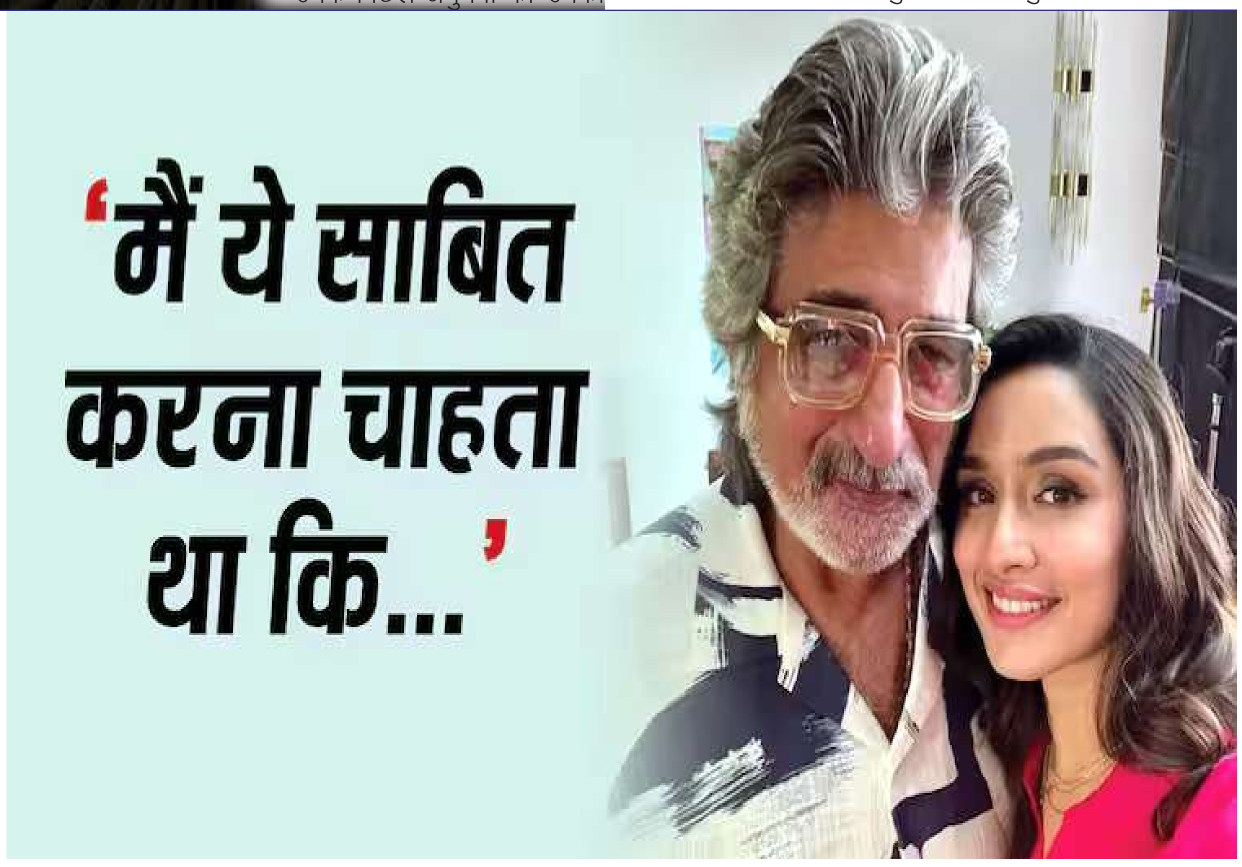

शक्ति कपूर ने जहां फिल्मों में अपनी खलनायकी से दर्शकों को खूब एंटरटेन किया. इसके बाद वे टीवी रिएलिटी शो बिग बॉस में भी नजर आए. शक्ति कपूर साल 2011 में बिग बॉस सीजन 5 का हिस्सा बने थे. एक बार एक्टर ने बताया था कि वे शो में जीतने के इरादे से नहीं गए थे, बल्कि इसकी वजह उनकी बेटी श्रद्धा कपूर थीं. शक्ति कपूर ने बताया था कि वे साबित करना चाहते थे कि वे बिना शराब के महीने भर रह सकते हैं. उन्होंने कहा था– श्मैं वहां जीतने के लिए नहीं बल्कि अपने बच्चों को ये साबित करने के लिए आया था कि मैं एक महीने तक शराब से दूर रह सकता हूं. मुझे गर्व है कि मैं ये साबित कर सका. बीवी–बच्चों को शक्ति कपूर पर गर्व शक्ति कपूर ने आगे बताया कि उनके बच्चे शो में उनके गेम से भी काफी इंप्रेस हुए थे. उन्होंने कहा था– श्वे इस बात से भी खुश थे कि जब मैं कप्तान था तो घर में झगड़े नहीं होते थे. अब मेरी बेटी श्रद्धा कहती है कि वो अगले जन्म में भी मेरी बेटी के रूप में जन्म लेना चाहती है. मेरी पत्नी को भी मुझ पर गर्व था और जिस तरह से मैंने शो में खुद को मैनेज किया, उस पर गर्व था.मैं उसे दूसरे हनीमून पर ले जाऊंगा एक्टर ने कहा था– उसने (पत्नी ने) कहा कि वो मुझसे पहले से कहीं ज्यादा प्यार करती है. इसलिए मैंने उससे कहा कि मैं उसे दूसरे हनीमून पर ले जाऊंगा. बता दें कि शक्ति कपूर काफी सालों से फिल्मों से दूर थे. इसके बाद साल 2023 में वे संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म श्एनिमलश में दिखाई दिए थे.

रेविंग ब्यूटी रकुल प्रीत का ये अंदाज है कातिलाना, फोटोज से नजरें हटा पाना हो जाएगा मुश्किल

रकुल प्रीत सिंह ब्लैक शॉर्ट्स–व्हाइट शर्ट और जैकेट में काफी क्लासी लुक में नजर आईं, यहां देखें...

साड़ी में जाह्नवी कपूर ने दिए सादगी से भरे पोज, दिल चुरा लेगा ये अंदाज

साड़ी में जाह्नवी कपूर की सादगी और चेहरे की मासूमियत देख कोई भी उनका दीवाना...

शनाया कपूर ने रेड साड़ी में बिखेरा हुस्न का जलवा, फैंस बोले – रॉयल

शनाया कपूर रेड कलर की गोल्डन प्रिंट और बॉर्डर वाली साड़ी में बेहद खूबसूरत अंदाज में पोज देतीं...

ऑनलाइन दवाएं मंगवाते समय न करें ये गलतियां

दवाओं को आर्गेनाइज्ड तरीके से रखने का यह काफी पुरानी और बेहतरीन तरीका है। पिल आर्गेनाइजर कई साइज व स्टाइल में मार्केट में आसानी से अवेलेबल है। ये क्लासिक बॉक्स हैं जिनमें सप्ताह के प्रत्येक दिन के लिए अलग–अलग डिब्बे होते हैं।

हम सभी के घर में कुछ दवाएं हमेशा रखी होती है। कभी इमरजेंसी के लिए हम कुछ कॉमन दवाओं को फर्स्ट एड बॉक्स में रखते हैं तो कुछ हर दिन खाने वाली दवाएं अपनी कैबिनेट, फ्रिज या माइक्रोवेव के ऊपर रख देते हैं। बीपी से लेकर थॉयराइड तक की दवाओं का सेवन हर दिन करना होता है, लेकिन इन्हें सही तरह से रखने में हम लापरवाही बरतते हैं। जबकि दवाओं को हमेशा आर्गेनाइज तरीके से रखने की सलाह दी जाती है, जिससे यह छोटे बच्चों की पहुंच से दूर रहे और आप भी दवा लेना भूले नहीं। साथ ही साथ, इससे आपको यह भी पता चल जाता है कि कौन सी दवाई कब खत्म होने वाली है। दवाओं को आर्गेनाइज्ड तरीके से कई तरह से रखा जा सकता है, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं–

पिल आर्गेनाइजर की लें मदद

दवाओं को आर्गेनाइज्ड तरीके से रखने का यह काफी पुरानी और बेहतरीन तरीका है। पिल आर्गेनाइजर कई साइज व स्टाइल में मार्केट में आसानी से अवेलेबल है। ये क्लासिक बॉक्स हैं जिनमें सप्ताह के प्रत्येक दिन के लिए अलग–अलग डिब्बे होते हैं। कुछ में सुबह, दोपहर और शाम की खुराक के लिए स्लॉट भी होते हैं। आप इनमें आसानी से अपनी दवाओं को दिन व टाइमिंग के अनुर रख सकते हैं। हमेशा ट्रांसपेरेंट आर्गेनाइजर ही चुनें, ताकि आपको पता चले कि कब इसे फिर से भरने का समय है।

ड्रॉअर डिवाइडर का करें इस्तेमाल

यह भी एक तरीका है दवाओं को बेहतरीन तरीके से आर्गेनाइज करने का। आप चाहें तो अपन घर की किसी ड्रॉअर में डिवाइडर की मदद से फार्मेसी–स्टाइल सेटअप कर सकते हैं। बस आप छोटे बिन या डिवाइडर की मदद से दवाओं को उनके प्रकार के आधार पर रख सकते हैं। इस तरह किसी भी तरह की दवा तक आपकी पहुंच काफी आसान हो जाती है और लेबल करने से किसी तरह की कन्फ्यूजन भी नहीं रहती है।

स्टैकेबल स्टोरेज बॉक्स की लें मदद

अगर आपके घर में स्पेस कम है, लेकिन आपको कई तरह की अलग–अलग दवाओं का स्टॉक हमेशा ही रखने की जरूरत होती है तो ऐसे में स्टैकेबल स्टोरेज बॉक्स एक गेम चेंजर साबित हो सकता है। ये छोटे व स्टैकेबल कंटेनर वर्टिकली दवाओं को स्टोर करते हैं, जिससे काफी स्पेस बचता है।

लंग्स कैंसर के लक्षण

फेफड़ों में ट्यूमर या लंग्स कैंसर एक गंभीर बीमारी है, और यह अक्सर तब पता चलता है जब समस्या बहुत बढ़ चुकी होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, लंग कैंसर का इलाज समय रहते न मिलने से व्यक्ति की जान भी जा सकती है। यही वजह है कि इस बीमारी के लक्षणों को सही समय पर पहचानना बेहद जरूरी है।

फेफड़ों में ट्यूमर बनने के कारण

धूम्रपान

धूम्रपान फेफड़ों में ट्यूमर और लंग कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। तंबाकू में मौजूद हानिकारक रसायन फेफड़ों के कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे कैंसर की संभावना बढ़ जाती है। जो लोग लंबे समय तक धूम्रपान करते हैं, उनमें लंग्स के ट्यूमर होने का खतरा 20 गुना ज्यादा होता है। इसके अलावा, धूम्रपान केवल खुद के लिए ही नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी हानिकारक है, क्योंकि सेकेंड हैंड स्मोक से भी कैंसर का खतरा हो सकता है।

एयर पॉल्यूशन

बढ़ते प्रदूषण के कारण लंग्स ट्यूमर के मामले भी बढ़ रहे हैं। हवा में मौजूद हानिकारक गैसों और धूल के कण फेफड़ों में जाकर उन्हें नुकसान पहुंचाते हैं। प्रदूषण से शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बढ़ता है, जो फेफड़ों के ट्यूमर की शुरुआत का कारण बन सकता है। खासकर बड़े शहरों और औद्योगिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इस समस्या का ज्यादा सामना करना पड़ता है। प्रदूषण से बुरी तरह प्रभावित व्यक्ति समय के साथ अस्थमा, श्वसन समस्याएं और फेफड़ों के अन्य रोगों से भी जूझ सकते हैं।

जेनेटिक्स

यदि किसी व्यक्ति के परिवार में पहले लंग कैंसर का इतिहास रहा है, तो उसे आनुवंशिक रूप से फेफड़ों में ट्यूमर होने का खतरा हो सकता है। जीन्स में बदलाव और अनुवांशिक असमानताएं कैंसर के खतरे को बढ़ा सकती हैं। ऐसे व्यक्ति जो परिवार में पहले किसी को लंग कैंसर का शिकार होते देख चुके हैं, उन्हें नियमित जांच करवानी चाहिए और धूम्रपान व प्रदूषण से बचने के लिए सचेत रहना चाहिए। इस प्रकार के मामलों में, परिवार के इतिहास को जानकर सावधानी बरतना जरूरी होता है।

लंग ट्यूमर के लक्षण–

सांस लेने में परेशानी

अगर आपको सांस लेने में कठिनाई हो रही है, तो यह फेफड़ों में ट्यूमर का संकेत हो सकता है। अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

लगातार खांसी

अगर आपको कई हफ्तों से खांसी हो रही है, जो ठीक नहीं हो रही, तो यह भी लंग्स में ट्यूमर का लक्षण हो सकता है। खांसी के अन्य कारण हो सकते हैं, लेकिन लंबे समय तक खांसी रहना लंग कैंसर का संकेत भी हो सकता है।

छाती में दर्द

यदि छाती में दर्द महसूस हो रहा है, तो यह एक गंभीर संकेत हो सकता है। कई बार लोग इसे एसिडिटी समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, जो बाद में गंभीर समस्या बन सकती है।

अचानक वजन कम होना

फेफड़ों में ट्यूमर के कारण बिना किसी कारण के वजन में कमी हो सकती है। अगर यह समस्या है तो इसे नजरअंदाज न करें, क्योंकि यह कैंसर का एक प्रमुख लक्षण हो सकता है।

थकान और कमजोरी

अगर आप थोड़ी मेहनत से भी थक जाते हैं या सांस फूलने लगती है, तो यह भी फेफड़ों की कमजोरी और ट्यूमर का लक्षण हो सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि कमजोर फेफड़े पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं ले पाते।

फेफड़ों में ट्यूमर का इलाज–

एक्स–रे डॉक्टर फेफड़ों की स्थिति का पता लगाने के लिए एक्स–रे कर सकते हैं।

सीटी स्कैन अधिक सटीक जानकारी के लिए सीटी स्कैन भी किया जाता है।

लंग कैंसर से बचाव–

धूम्रपान से दूर रहना सबसे प्रभावी तरीका है। स्वच्छ और ताजे वायु में सांस लें और प्रदूषण से बचने की कोशिश करें। नियमित स्वास्थ्य चेकअप करवाना जरूरी है। सावधानी और जल्दी इलाज से लंग्स कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को समय रहते रोका जा सकता है, इसलिए इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

कपूर से पिगमेंटेशन की समस्या को कैसे दूर करें

कपूर को भारतीय परंपरा में खास महत्व दिया गया है। इसे सिर्फ पूजा–पाठ के लिए ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के समाधान में भी उपयोगी माना जाता है। कपूर में एंटीऑक्सीडेंट्स, डिकॉन्गेस्टिव, लिनालूल, पीनेन बी–पीनेन,थाईटरपीनेन, डी कैंफर, लेमोनेन, सेबीनेन गुण मौजूद होते हैं। चलिए जानते हैं इससे शरीर को क्या मिलते हैं फायदे

सांस संबंधी समस्याओं में फायदेमंद

कपूर की सुगंध नाक के बंद मार्ग को खोलने में मदद करती है। इसे पानी में मिलाकर भाप लेने से सर्दी, जुकाम और कफ से राहत मिलती है। कपूर तेल का उपयोग सीने पर लगाने से सांस की तकलीफ कम होती है।

दर्द और सूजन में राहत

कपूर का तेल मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द में आराम देने वाला माना जाता है। सूजन कम करने के लिए इसे नारियल तेल में मिलाकर दर्द वाली जगह पर लगाएं। गठिया और पीठ दर्द में भी यह फायदेमंद होता है।

त्वचा संबंधी समस्याओं का समाधान

कपूर का इस्तेमाल त्वचा पर दाने और जलन को कम करने के लिए किया जा सकता है। यह फनदहंस पदमिबजपवदे में भी उपयोगी माना जाता है। कपूर को नारियल तेल में मिलाकर त्वचा पर लगाने से खुजली और जलन में राहत मिलती है।

बालों की समस्याओं में लाभकारी

बालों में रूसी (डैंड्रफ) को कम करने के लिए कपूर का तेल उपयोगी है। इसे नारियल तेल में मिलाकर स्कैल्प पर मसाज करने से बाल मजबूत और स्वस्थ होते हैं। बालों के झड़ने की समस्या में भी यह मदद करता है।

कपूर की सुगंध तनाव कम करने और मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक है। इसे जलाकर घर में सुगंध फैलाने से नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।

घाव और संक्रमण में उपयोगी

कपूर का एंटीसेप्टिक गुण घाव और छोटे कट को जल्दी भरने में मदद करता है। इसे घाव पर लगाने से संक्रमण का खतरा कम हो जाता है।

– कपूर का सेवन न करें, यह विषैला हो सकता है।
– बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
– अत्यधिक उपयोग से बचें क्योंकि यह त्वचा में जलन पैदा कर सकता है।

कपूर का सही उपयोग सेहत और घर दोनों के लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका उपयोग प्राकृतिक और सुरक्षित तरीके से करना जरूरी है।

30 के बाद हड्डियों को मजबूत कैसे बनाएं

30 की उम्र के बाद महिलाओं के शरीर में कई बदलाव होते हैं, जिनमें हड्डियों का कमजोर होना सबसे आम समस्या है। इस उम्र के बाद महिलाओं में हड्डियों का निर्माण धीमा हो जाता है और बोन मास (हड्डी की घनत्व) कम होने लगता है। अगर इस पर ध्यान न दिया जाए तो यह समस्या आगे चलकर ओस्टियोपोरोसिस जैसी गंभीर बीमारी का रूप ले सकती है। इस समस्या के कारण हड्डियां आसानी से टूट सकती हैं और चलने–फिरने में कठिनाई हो सकती है। इसलिए महिलाओं को समय रहते अपनी हड्डियों का खास ख्याल रखना चाहिए।

हड्डियों की कमजोरी के कारण

30 की उम्र के बाद महिलाओं में हड्डियों की कमजोरी के पीछे कई कारण हो सकते हैं–

बोन मास की कमी

30 की उम्र के बाद शरीर में नई हड्डियों के निर्माण की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जबकि पुरानी हड्डियों का क्षरण तेज होने लगता है। इसका सीधा असर हड्डियों की घनत्व (बोन डेंसिटी) पर पड़ता है। बोन मास कम होने के कारण हड्डियां कमजोर हो जाती हैं, जिससे छोटी–छोटी चोटों में भी फ्रैक्चर होने का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, कमजोर हड्डियों के कारण चलने–फिरने और रोजमर्रा के काम करने में भी कठिनाई हो सकती है।

हार्मोनल बदलाव

मेनोपॉज के बाद महिलाओं के शरीर में एस्ट्रोजेन हार्मोन का स्तर तेजी से गिरने लगता है। एस्ट्रोजेन हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है, और इसकी कमी से हड्डियों की मजबूती प्रभावित होती है। इसके परिणामस्वरूप हड्डियां जल्दी टूटने लगती हैं। यह बदलाव न केवल बोन डेंसिटी को कम करता है, बल्कि महिलाओं को ओस्टियोपोरोसिस जैसी बीमारियों के प्रति भी संवेदनशील बनाता है।

डाइट और लाइफस्टाइल

असंतुलित डाइट और खराब जीवनशैली भी हड्डियों की कमजोरी का एक बड़ा कारण हैं। कैल्शियम और विटामिन डी की कमी से हड्डियों को पोषण नहीं मिल पाता, जिससे उनकी मजबूती कमजोर पड़ जाती है। स्मोकिंग और शराब का अधिक सेवन हड्डियों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और बोन डेंसिटी को कम करता है। ज्यादा कैफीन का सेवन (जैसे चाय, कॉफी और कोल्ड ड्रिंक्स) शरीर में कैल्शियम के अवशोषण को कम कर देता है, जिससे हड्डियां कमजोर हो जाती हैं।

एक्सरसाइज की कमी

नियमित शारीरिक गतिविधियों की कमी से हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। व्यायाम हड्डियों की मजबूती और घनत्व बनाए रखने में मदद करता है। हल्की–फुल्की एक्सरसाइज, जैसे चलना, योग, स्ट्रेचिंग, या वेट ट्रेनिंग, हड्डियों को सक्रिय और मजबूत बनाती है। लेकिन जब शारीरिक गतिविधियां कम होती हैं, तो हड्डियों में कमजोरी आ जाती है, और उनका घनत्व कम होने लगता है। यह समस्या उन महिलाओं में ज्यादा देखने को मिलती है, जो शारीरिक रूप से निष्क्रिय रहती हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के उपाय

कैल्शियम और विटामिन डी का सेवन बढ़ाएं

कैल्शियम और विटामिन डी हड्डियों की मजबूती के लिए सबसे जरूरी हैं। कैल्शियम के स्रोतरू दूध, दही, पनीर, बादाम, हरी पत्तेदार सब्जियां, और फॉर्टिफाइड अनाज। विटामिन डी के स्रोतरू कम फैट वाले डेयरी प्रोडक्ट्स, सोया मिल्क, टोफू, और फलों के साथ–साथ सूरज की रोशनी। वयस्क महिलाओं को रोजाना 1000–1200 मिलीग्राम कैल्शियम और पर्याप्त विटामिन डी की जरूरत होती है।

रोजाना धूप में बैठें

हफ्ते में 2–3 बार सुबह की धूप में कम से कम 10–15 मिनट बैठें। यह शरीर में विटामिन डी का स्तर बनाए रखने में मदद करता है, जो कैल्शियम को एब्जॉर्ब करने के लिए जरूरी है।

नियमित एक्सरसाइज करें

शारीरिक गतिविधियां हड्डियों को मजबूत बनाती हैं और बोन मास को बनाए रखने में मदद करती हैं। योग और वॉकरु हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। वेट बियरिंग एक्सरसाइजरु स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, डांसिंग, और जॉगिंग। रोजाना कम से कम 30 मिनट तक हल्की–फुल्की एक्सरसाइज जरूर करें।

शराब और सिगरेट से बचें, कैफीन कम करें

शराब और स्मोकिंग से हड्डियों की डेंसिटी कम होती है और बोन लॉस का खतरा बढ़ता है। ज्यादा कैफीन (चाय और कॉफी) के सेवन से कैल्शियम का अवशोषण कम होता है, जिससे हड्डियां कमजोर हो सकती हैं।

बॉडी वेट को मेंटेन करें

बहुत ज्यादा वजन या बहुत कम वजन, दोनों ही हड्डियों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। अधिक वजन से हड्डियों पर दबाव बढ़ता है, जबकि बहुत कम वजन से हड्डियों की कमजोरी

का खतरा होता है।

नियमित जांच कराएं

हड्डियों की स्थिति का पता लगाने के लिए समय–समय पर बोन डेंसिटी टेस्ट करवाएं। खासकर, अगर मेनोपॉज के बाद हड्डियों की कमजोरी महसूस हो रही हो। हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपीरु मेनोपॉज के बाद एस्ट्रोजेन लेवल में कमी से हड्डियों की कमजोरी बढ़ सकती है। इस स्थिति में डॉक्टर से परामर्श लेकर हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी कराई जा सकती है।

हड्डियों का ख्याल रखना क्यों है जरूरी?

हड्डियां न केवल हमारे शरीर को आकार देती हैं, बल्कि चलने–फिरने में भी मदद करती हैं। कमजोर हड्डियां न सिर्फ दर्द देती हैं, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती हैं। इसलिए महिलाओं को 30 की उम्र के बाद अपनी डाइट, लाइफस्टाइल और शारीरिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

नोटः यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स और विशेषज्ञों के सुझाव पर आधारित है। किसी भी उपाय को अपनाने से पहले अपने डॉक्टर या विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

संक्षिप्त

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5% हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दी, ये है शर्त

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (त्ठप्)ने एचडीएफसी बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में अधिकतम 9.50: हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने खर्त रखी है कि यदि अनुमोदन पत्र की तारीख से सालभर के भीतर यह सौदा नहीं किया जाता तो, तो मंजूरी रद्द कर दी जाएगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएफबी) को 3 जनवरी, 2025 के आरबीआई के की ओर से एक पत्र मिला, जो एचडीएफसी बैंक लिमिटेड को संबोधित है। पत्र में एचडीएफसी बैंक और उसकी समूह संस्थाओं (एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी पेंशन मैनेजमेंट, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस और एचडीएफसी सिक्योरिटीज सहित) को एक वर्ष के भीतर एयू एसएफबी की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकारों का 9.50: तक अधिग्रहण करने की मंजूरी दी गई है। एचडीएफसी बैंक ने भी एक्सचेंज को बताया है कि उसे कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5प्रतिशत की हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी आरबीआई मिल गई है। यह मंजूरी आरबीआई के अनुमोदन पत्र जारी होने के बाद एक वर्ष तक के लिए वैध है। इसकी वैधता 02 जनवरी 2026 को समाप्त हो जाएगी।

एयर होस्टेस से 10 लाख रुपये की ठगी, 'मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोप में गिरफ्तारी की धमकी देकर लगाया गया चूना

ठाणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की 24 वर्षीय एक एयर होस्टेस साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गई। जालसाजों ने धन शोधन के आरोप में गिरफ्तारी का भय दिखाकर उससे करीब 10 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। कल्याण में रहने वाली एयर होस्टेस को 23 नवंबर, 2024 को अज्ञात फोन नंबरों से कॉल आया, जिसमें उसे बताया गया कि उसकी ओर से भेजा गया पार्सल ईरान में अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब पीड़िता ने फोन करने वाले को बताया कि उसने कोई पार्सल नहीं भेजा है, तो फोन करने वाले ने वीडियो कॉल पर उसे बताया कि उसका नाम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आया है और गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद फोन करने वाले ने उसके मोबाइल नंबर पर कुछ लिंक भेजे और फोन काटने से पहले उसे 9.93 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। महिला को अहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है और उसने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फोन नंबर की लोकेशन षविदेशष की है। भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

घरों में दालों व अनाज पर खर्च पांच फीसदी कम हुआ, शहरों–गांवों में परिवारों की खपत कैसे बदली जानें

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय घरों के खर्च में पिछले 12 वर्षों के दौरान बड़ा बदलाव आया है। अब लोग खाद्य पदार्थों की तुलना में गैर खाद्य पदार्थों पर अधिक खर्च कर रहे हैं। भारतीय स्टेट बैंक के एक शोध अध्ययन में यह बात सामने आई है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट से परिवारों के उपभोग में बदलाव के कई रुझानों का पता चला है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय घरों में दालों और अनाज की खपत करीब 5: तक कम हुई है। यह बदलाव शहरी और ग्रामीण, दोनों ही इलाकों में हुआ है।

देश के शहरों व गांवों में लोगों का उपभोग व्यवहार बदल रहा

रिपोर्ट में कहा गया है, ष शहरी और ग्रामीण इलाकों में दालों व अनाज की खपत में 5: से अधिक की महत्वपूर्ण गिरावट आई है।ष रिपोर्ट में कहा गया है कि लोगों का उपभोग व्यवहार बदल रहा है। पिछले 12 वर्षों के दौरान शहरों व गांवों दोनों ही क्षेत्रों में लोगों ने खाद्य पदार्थों की तुलना में गैर खाद्य पदार्थों पर अधिक खर्च किया है। रिपोर्ट में खाद्य पदार्थों पर खर्च में बड़ी कटौती की बात कही गई है। ग्रामीण इलाकों में खाने–पीने की चीजों पर 2011–12 के दौरान करीब 52.9 प्रतिशत तक खर्च होता था। 2023–24 में खर्च का यह प्रतिशत घटकर 47.04 पर आ गया। इसमें करीब 5.86: की गिरावट दर्ज की गई। इस मामले में शहरी क्षेत्रों में भी कम लेकिन महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई। शहरों में खाने–पीने पर 2011–12 के दौरान करीब 42.62: खर्च होता था, वर्तमान में यह आंकड़ा 2.92: घटकर 39.68: पर आ गया।

गैर खाद्य पदार्थों पर भारतीय परिवारों का खर्च बढ़ा

इसके विपरीत, गैर खाद्य पदार्थों पर भारतीय घरों के खर्च में इजाफा हुआ है। बीते 10–12 वर्षों के दौरान यह 57.38: से बढ़कर 60.32: पर पहुंच गया, इसमें 2.94: की बढ़त दर्ज की गई। दूसरी ओर, साफ–सफाई पर भी भारतीय घरों का खर्च बढ़ा है। स्वच्छ भारत अभियान की सफलता और सफाई के प्रति जागरुकता बढ़ने से इससे जुड़ी सामग्रियों पर अब लोग अधिक खर्च करने लगे हैं।

करों व उपकरों पर लोगों का खर्च घटा

एसबीआई की रिपोर्ट में खपत से जुड़ा एक रोचक तथ्य भी सामने आया, वह यह है कि करों और उपकरों पर भारतीय परिवारों का खर्च घटा है। माना जा रहा है कि यह कमी संभवतरू जीएसटी दरों को आसान बनाने के कारण हुई है। इस दौरान, कपड़ों और जूतों पर भी लोगों का खर्च घटा है। पुरानी कर प्रणाली की तुलना में जीएसटी के तहत दरों के कम होने से यह बदलाव आया है। खाद्य पदार्थों की तुलना में गैर खाद्य पदार्थों पर खर्च बढ़ना, भारत में सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य के बदलने का संकेत है। आमदनी बढ़ने से लोगों के रहन–सहन का स्तर बदला है।

स्वच्छता और किफायती कराधान को बढ़ावा देने वाली सरकार की पहलों ने, विशेषरूप से ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की प्राथमिकता में बदलाव किया है। ये बदलाव भारत में उपभोग व्यवहार के वैश्विक रुझानों के अनुरूप होने के संकेत देते हैं।

पंत ने तोड़ा 50 साल पुराना रिकॉर्ड, ऑस्ट्रेलिया में लगाया सबसे तेज अर्धशतक, 33 गेंद में बनाए 61 रन

सिडनी, एजेंसी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांचवां टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर सिमट गई। इसके बाद दूसरी पारी में भी एक वक्त भारतीय टीम मुश्किल में दिख रही थी। उसने 59 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। राहुल, यशस्वी और कोहली पवेलियन लौट चुके थे। ऐसे में ऋषभ पंत मैदान पर उतरे और उन्होंने तहलका मचा दिया। सिडनी में पंत ने चौके–छक्कों की बरसात कर दी और इस सीरीज में पहली बार वह अपने पुराने रंग में नजर आए। उन्होंने इसी कड़ी में 50 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया और ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज अर्धशतक लगाने का भी रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत 33 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन बनाकर आउट हुए।

पंत ने बनाया रिकॉर्ड

पंत ने 29 गेंद में अर्धशतक जड़ा। यह ऑस्ट्रेलिया में किसी विदेशी बल्लेबाज द्वारा टेस्ट में सबसे तेज अर्धशतक है। इससे पहले 1895 में मेलबर्न में इंग्लैंड के जॉन ब्राउन ने और 1975 में पर्थ में रॉय फ्रेडरिक्स ने 33–33 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। वहीं, यह टेस्ट में गेंद के हिसाब से भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक है। पंत एक गेंद से अपना ही तीन साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी करने से चूक गए। 2022 में पंत ने श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु में 22 गेंद पर अर्धशतक लगाया था। तीसरे नंबर पर कपिल देव हैं। उन्होंने कराची में 1982 में पाकिस्तान के खिलाफ 30 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया था।

सिडनी टेस्ट में क्या हुआ?

भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट गंवाकर 141 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर टीम इंडिया को चार रन की बढ़त हासिल थी। ऐसे में भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हो चुकी है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त हुई थी। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक रवींद्र जडेजा आठ रन और वॉशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर नाबाद हैं। भारतीय टीम की शुरुआत ठीक ठाक रही थी। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े थे। राहुल 13 रन बनाकर और यशस्वी 22 रन बनाकर बोलैंड का शिकार बने। शुभमन गिल 13 रन बनाकर वेबस्टार का शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को छूने के प्रयास में स्लिप में कैच आउट हुए। वह छह रन बना सके। बोलैंड ने एक बार फिर कोहली का शिकार किया। पंत ने 33 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन की साहसिक पारी खेली। वहीं, नीतीश रेड्डी लगातार तीसरी पारी में फेल रहे। वह चार रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बोलैंड ने अब तक चार विकेट लिए हैं, जबकि कमिंस और वेबस्टर को एक–एक विकेट मिला।

खिलाड़ी	खिलाफ	स्थान	वर्ष	कितनी गेंद
ऋषभ पंत	श्रीलंका	बेंगलुरु	2022	28
ऋषभ पंत	ऑस्ट्रेलिया	सिडनी	2025*	29
कपिल देव	पाकिस्तान	कराची	1982	30
शार्दुल ठाकुर	इंग्लैंड	द ओवल	2021	31
यशस्वी जयसवाल	बांगलादेश	कानपुर	2024	31

दूसरे दिन 313 रन बने और 15 विकेट गिरे, कोहली फिर फेल

सत्र	ओवर	रन बने	विकेट गिरे	रन रेट
पहला	26	92	4	3.54
दूसरा	22	80	5	3.64
तीसरा	32	141	6	4.41

सिडनी, एजेंसी। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में छह विकेट गंवाकर 141 रन बना लिए हैं। पहली पारी के आधार पर टीम इंडिया को चार रन की बढ़त हासिल थी। ऐसे में भारतीय टीम की कुल बढ़त 145 रन की हो चुकी है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रन पर समाप्त हुई थी।

सिडनी में लक्ष्य का पीछा करते हुए आंकड़े

दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक रवींद्र जडेजा आठ रन और वॉशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर नाबाद हैं। भारतीय टीम की नजर 200 के आंकड़े को छूने की होगी, क्योंकि सिडनी पर 200+ रन के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं रहा है। सिडनी में साल 2000 से लेकर अब तक 200+ रन के लक्ष्य का पीछा टीमों ने 12 बार किया है। इसमें से सिर्फ एक बार चेज करने वाली टीम को जीत मिली है। सात बार चेज करने वाली टीम को हार का सामना करना पड़ा, जबकि चार मैच ड्रॉ रहे हैं। साल 2006 में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 287 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था।

भारत की दूसरी पारी

दूसरी पारी में भारतीय टीम की शुरुआत ठीक ठाक रही थी। यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े थे। राहुल 13 रन बनाकर और यशस्वी 22 रन बनाकर बोलैंड का शिकार बने। शुभमन गिल 13 रन बनाकर वेबस्टार का शिकार बने। विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को छूने के प्रयास में स्लिप में कैच आउट हुए। वह छह रन बना सके। बोलैंड ने एक बार फिर कोहली का शिकार किया। पंत ने 33 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन की साहसिक पारी खेली। वहीं, नीतीश रेड्डी लगातार तीसरी पारी में फेल रहे। वह चार रन बना सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से बोलैंड ने अब तक चार विकेट लिए हैं, जबकि कमिंस और वेबस्टर को एक–एक विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी दूसरे दिन 181 रन पर सिमट गई। खास बात यह रही कि जब ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट गंवा दिए थे, उसके बाद कप्तान बुमराह मैच को छोड़कर स्कैन के लिए अस्पताल चले गए थे।

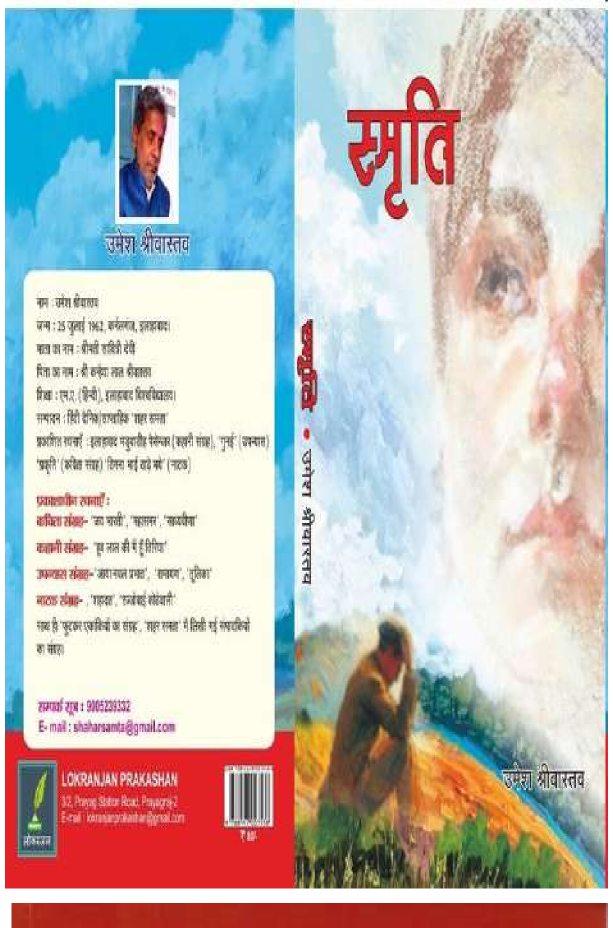

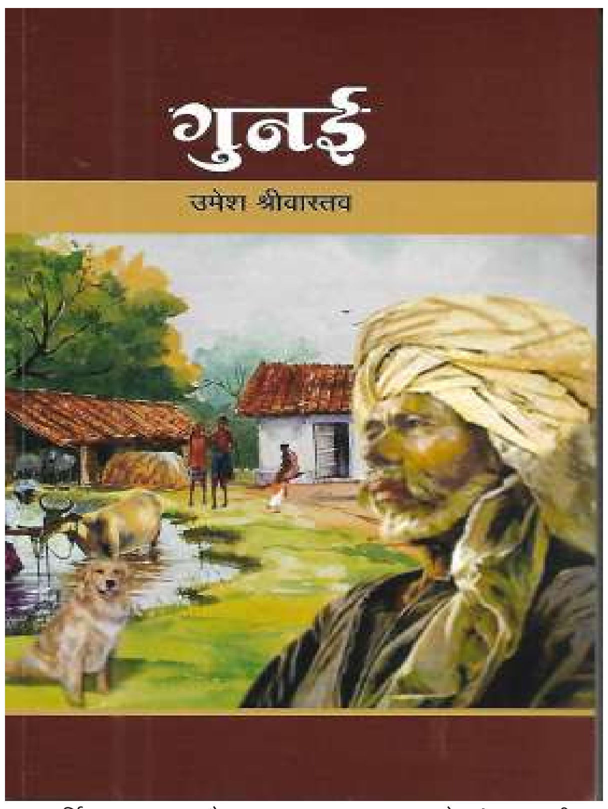

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

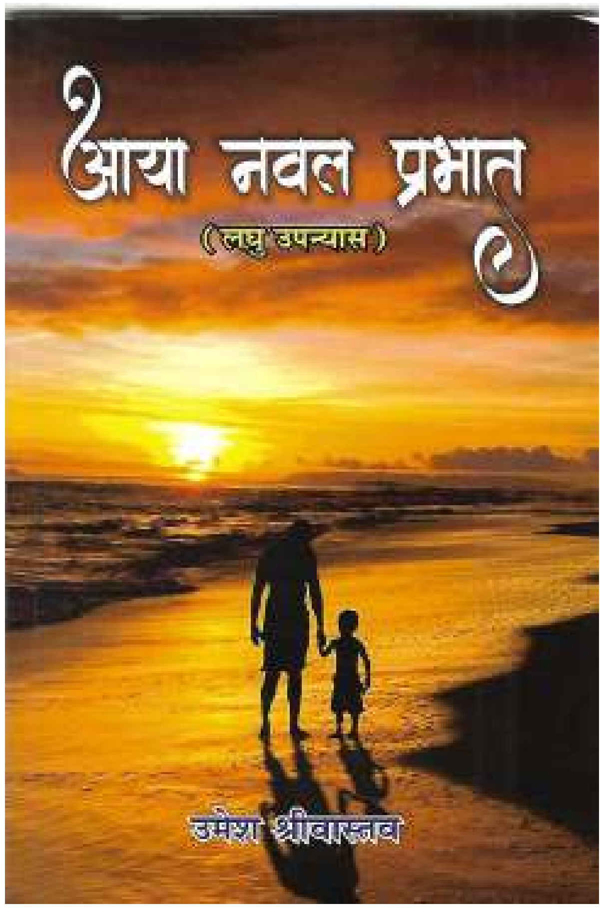

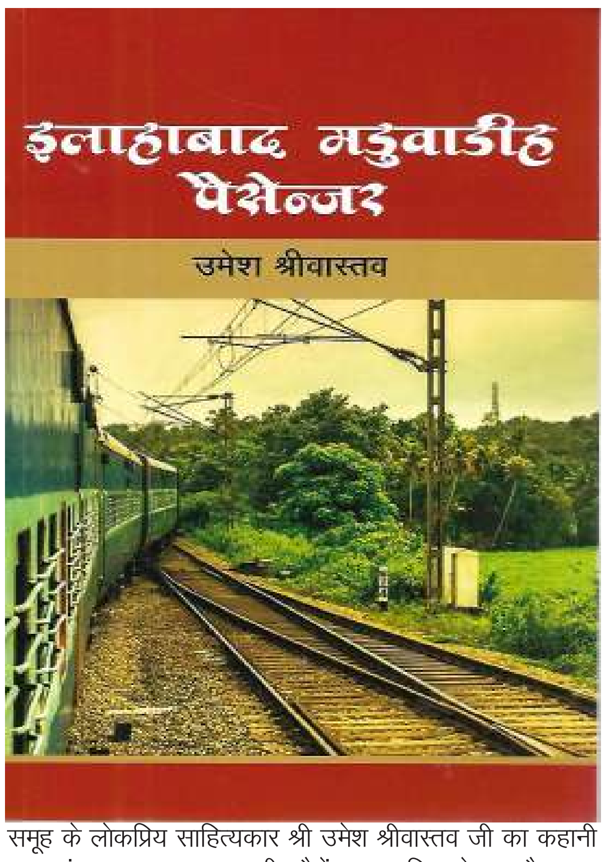

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

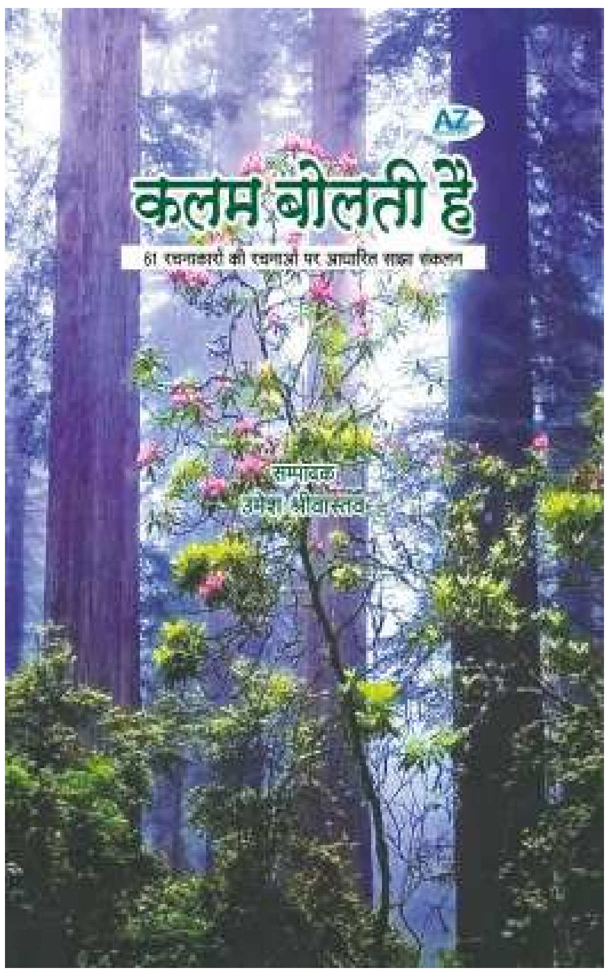

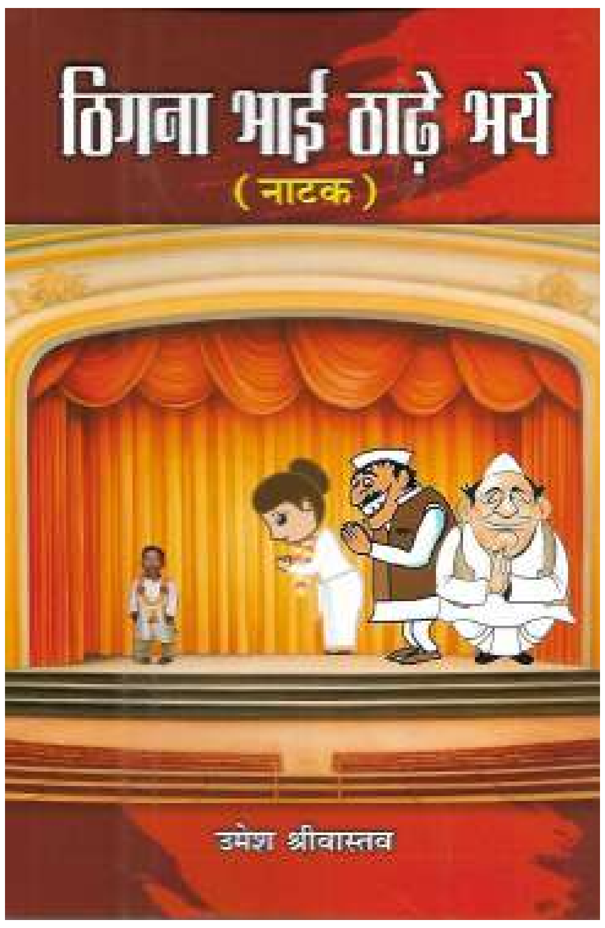

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

चीन फिर फैला रहा है नया वायरस, कोरोना चला गया अब एचएचपीवी आ गया, दुनिया फिर होगी लाचार?

आपको कोरोना महामारी का वो दौर याद है। कैसे तबाही हुई थी और हर व्यक्ति की सांस मानो थम गई थी। लाखों लोगों की जान गई थी। चीन की तरफ से एक कथित गलती ने पूरी दुनिया को संकट में डाल दिया था। अब फिर एक बार संकट गहराने जा रहा है। चीन के अस्पतालों में लंबी लंबी कतारें लग चुकी हैं। हर चेहरे पर मास्क लौट आया है। एक बार फिर दुनिया की नजरों से चीन इसको छुपा कर रखना चाहता है। ठीक वैसे जैसे कोविड के दौरान हुआ था। ऐसे में सवाल है कि क्या फिर एक बार दुनिया को नई महामारी चीन देने वाला है? चीन में फैल रहे इस नए वायरस का नाम ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) है, जो कि एक आरएनए वायरस है। वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड–19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इसके लक्षणों में खांसी, बुखार, नाक बंद होना और गले में घरघराहट शामिल हैं। इस वायरस का असर ऐसा है कि अस्पतालों में न खत्म होने वाली लाइने लग चुकी है। लोगों के चेहरों पर मास्क है और चेहरे पर अनजानी मौत का खौफ है। महामारी की आशंका के बीच खबर ये कि चीन में एक साथ चार वायरस हवा में फैल चुके हैं। इंफ्लूएंजा ए, एचएमपीवी वायरस, माइको प्लाजमा निमोनिया और कई वायरस और भी हैं। एचएमपीवी का पैटर्न ठीक वैसा ही है, जैसा कोविड का था। यानी वायरस हवा के जरिए फैल सकता है। चीन ने वायरस के फैलने के बाद कई जगहों पर इमरजेंसी घोषित कर दी है। दावे के मुताबिक अस्पतालों और श्मशान घाटों में भीड़ बढ़ रही है। चीन में एचएमपीवी के प्रकोप के बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने कहा कि वह देश में श्वसन और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों की बारीकी से निगरानी कर रहा है और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। आधिकारिक सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने कहा कि स्थिति की बारीकी से निगरानी करना, जानकारी का सत्यापन करना और तदनुसार अपडेट करना जारी रखा जा रहा है। डॉ. डैंग्स लैब के सीईओ डॉ. अर्जुन डैंग ने कहा कि चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप इसके प्रसार को रोकने के लिए कड़ी निगरानी और शीघ्र पता लगाने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।

शपथ ग्रहण से पहले ही ट्रंप को लग सकता है बड़ा झटका,हश मनी केस 10 जनवरी को होगा सजा का ऐलान

शपथ ग्रहण से पहले डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका लग सकता है। अमेरिका के नवर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस में 10 जनवरी को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिका के इतिहास में डोनाल्ड ट्रंप पहले राष्ट्रपति हैं जिन्हें दोषी ठहराया गया है। हालांकि ट्रंप को राहत देते हुए मामले में जज ने कहा है कि वो ट्रंप को जेल की सजा नहीं देंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति सुनवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअल रूप से उपस्थित हो सकते हैं। आपको बता दें ट्रंप को एडल्ट फिल्म स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स

को दिए गए 1 लाख 30 हजार डॉलर के भुगतान को छुपाने के लिए व्यवसायिक रिकॉर्ड में हेरा फेरी के लिए दोषी ठहराया गया है। इसी मामले में उन्हें सजा सुनाई जाएगी। सजा का ऐलान 20 जनवरी यानी इनोग्रेशन डे से ठीक पहले सुनाया जाना है। जज मर्चेन ने कहा कि वह ट्रंप को जेल की सज़ा सुनाने के पक्ष में नहीं हैं। 18 पन्नों के अपने निर्णय में मर्चेन ने न्यूयॉर्क की ज्यूरी द्वारा ट्रंप की सज़ा को बरकरार रखा और ट्रंप के वकीलों की इस सज़ा को खारिज करने के प्रस्तावों को खारिज कर दिया। हालांकि मर्चेन ने यह भी साफ कर दिया कि भले ही ट्रंप को जेल की सज़ा न सुनाई जाए, लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वह सज़ा के हकदार नहीं हैं।

क्या है पूरा मामला

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर राष्ट्रपति अभियान के दौरान पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स को कथित रूप से छुपाए गए पैसे के भुगतान को कवर करने के लिए कानून के तहत आरोप लगाया है। साल 2017 में पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स ने मीडिया के सामने आकर कहा था कि साल 2006 में डोनाल्ड ट्रंप और उनके बीच अफेयर था। इस बात की भनक ट्रंप की टीम को लग गई थी। उनके वकील माइकल कोहेन ने स्टॉर्मी डेनियल्स को चुप रहने के लिए 1 लाख 30 हजार डॉलर का भुगतान किया था। डेनियल्स को पैसे का भुगतान करना अवैध नहीं था, बल्कि ये जिस माध्यम से किया गया था वो अवैध था। ट्रंप के वकील ने गुपचुप तरीके से ये डेनियल्स को दी थी।

सीरिया की कमान नहीं संभाल पा रही विद्रोही सरकार!, राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन में देरी होने पर उठ रहे सवाल

सीरिया में बशर अल असद को हटाने के बाद स्थापित नए नेतृत्व ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि ऐतिहासिक राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन कब आयोजित किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। ऐसा लग रहा है कि विद्रोही नेताओं को बातचीत करने में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले विद्रोहियों ने सम्मेलन आयोजित करने का वादा किया था। मगर, इसके लगातार टलने से विपक्षी समूहों और अन्य पक्षों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

अभी तक नहीं भेजे गए निमंत्रण

एक न्यूज एजेंसी से बात करने वाले सूत्रों में सीरिया के सूचना मंत्रालय के दो अधिकारी, सीरिया के नए शासक प्रशासन के एक सदस्य और दो राजनयिक शामिल हैं। सम्मेलन की जानकारी रखने वाले इन अधिकारियों का कहना है कि सम्मेलन के लिए आधिकारिक निमंत्रण अभी तक नहीं भेजे गए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

हमलावर के घर से मिला विस्फोटक बनाने का सामान

छह हफ्तों से हमले की योजना बना रहा था जब्बार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के न्यू ऑर्लियंस में हमले का आरोपी शम्सुद्दीन जब्बार बीते छह हफ्ते से हमले की योजना बना रहा था। जांच में पता चला है कि आरोपी ने हमले में जिस वाहन का इस्तेमाल किया, वो उसने छह हफ्ते पहले ही बुक कर लिया था। साथ ही जांच अधिकारियों को आरोपी के घर से बम बनाने का सामान भी बरामद हुआ है। इससे साफ है कि जब्बार ने हमला अचानक नहीं बल्कि पूरी रणनीति के साथ किया।

घटनास्थल से विस्फोटक हुए थे बरामद

जब्बार अमेरिका के ह्यूस्टन का निवासी था और उसके घर की तलाशी में कई खतरनाक सामग्री मिली है। जिनमें विस्फोटक बनाने का सामान भी शामिल है। जांच अधिकारियों ने ये भी बताया कि जब्बार ने हमले से कुछ घंटे पहले ही टेक्सास के विडोर में एक कूलर खरीदा था और लुइसियाना के सल्फर से एक स्टोर से गन ऑयल खरीदा था। अधिकारियों को न्यू ऑर्लियंस में जिस जगह हमला हुआ, वहां आईईडी विस्फोटक भी मिले, जिन्हें कूलर में छोड़ा गया था। इससे साफ है कि हमलावर बड़े पैमाने पर नुकसान करने का इरादा रखता था।

हमले से पहले घटनास्थल का पूरा जायजा लिया था हमलावर ने

हमले से पहले जब्बार ने सोशल मीडिया पर कई भड़काऊ वीडियो भी पोस्ट किए, जिसमें आईएसआईएस का समर्थन किया गया था। जांच में साफ हो गया है कि जब्बार ने अकेले ही यह हमला किया और वह हमले के लिए आतंकी संगठन आईएसआईएस से प्रेरित था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शम्सुद्दीन जब्बार हमले से कुछ देर पहले ही न्यू ऑर्लियंस की सड़कों पर घूमते देखा गया था। कई सीसीटीवी कैमरों में उसकी तस्वीर कैद हुई है। एफबीआई का कहना है कि जब्बार ने पहले घटनास्थल पर विस्फोटक लगे कूलर रखे और फिर कपड़े बदलकर हमला किया। हालांकि कूलर में लगे विस्फोटक क्यों नहीं फटे ये अभी तक साफ नहीं हो पाया है। माना जा रहा है कि या तो जब्बार विस्फोट कर ही नहीं पाया या फिर विस्फोटक किसी तकनीकी गड़बड़ी की वजह से इनमें विस्फोट नहीं हो पाया।

कौन था शम्सुद्दीन जब्बार

जब्बार ने जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर इंफोर्मेशन सिस्टम में स्नातक डिग्री हासिल की थी। उसने बतौर आईटी विशेषज्ञ अमेरिकी सेना में भी कई साल काम किया और वह अफगानिस्तान में भी तैनात रहा। अमेरिकी सेना से रिटायरमेंट के बाद जब्बार ने अकाउंटेंसी कंपनी डेलॉयट में भी काम किया। जब्बार ने तीन बार शादी की थी और उसके दो बच्चे हैं। उसकी पहली शादी 2012 में खत्म हो गई थी और दूसरी 2013 से 2016 तक रही। साल 2017 में उसने तीसरी शादी की और 2022 में तीसरी पत्नी से भी उसका तलाक हो गया।

अमेरिकी संसद में बढ़ी भारतवंशियों की धाक, भारतीय मूल के छह सांसदों ने ली अमेरिकी सदन की शपथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकियों के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक रहा। दरअसल, छह भारतवंशी नेताओं ने अमेरिकी संसद के सदस्य के रूप में शपथ ली। यह पहला मौका है, जब अमेरिकी संसद के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव यानी निचली सदन में एक साथ छह भारतीय–अमेरिकियों ने शपथ ग्रहण की।

इन लोगों ने मारी बाजी

सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार अमेरिकी सदन में पहुंचे हैं। डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के सातवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे सीनियर भारतीय अमेरिकी सांसद हैं। उन्होंने सदन में सातवीं बार शपथ लेने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ‘जब मैंने पहली बार 12 साल पहले शपथ ली थी तो मैं अकेला भारतीय अमेरिकी सांसद था। अगर अमेरिका की इतिहास की बात करूं तो तीसरा सांसद था। आज मैं एक बार फिर शपथ ले रहा हूं। अब हमारा छह लोगों का मजबूत समूह है। मुझे खुशी है कि आने वाले वर्षों में और भारतीय अमेरिकी सांसद होंगे!’

क्या बोले सुहास?

भारतीय–अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया से चुनाव जीता है। वह अमेरिका के पूर्वी तट पर बसे राज्यों से अमेरिकी संसद में पहुंचने वाले पहले भारतवंशी हैं। वर्जीनिया के 10वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सुब्रमण्यम प्रतिनिधि सभा के सदस्य बनने वाले सबसे नए भारतीय अमेरिकी हैं। उन्होंने अपने परिवार और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, ‘काम का पहला दिन! शपथ लेकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और वर्जीनिया के लिए काम करने और उसके नतीजे देने के लिए तैयार हूं।’

श्री थानेदार ने कही ये बात

श्री थानेदार मिशिगन के 13वें संसदीय जिले से लगातार दूसरी बार चुने गए। उन्होंने इसे पहली बार 2023 में जीता था। सदन में मौजूद अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए थानेदार ने कहा, ‘सेवा के लिए तैयार। सभी छह भारतीय–अमेरिकी सांसद डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं। सदन के स्पीकर पद के लिए हुए चुनाव में सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज को वोट दिया। मगर रिपब्लिकन माइक जॉनसन को सदन का स्पीकर चुना गया।

इन लोगों की भी धाक

सांसद रो खन्ना कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि राजा कृष्णमूर्ति इलिनोइस के आठवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। वाशिंगटन राज्य के सातवें संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली भारतीय–अमेरिकी महिला हैं। खन्ना, कृष्णमूर्ति और जयपाल ने लगातार पांचवीं बार शपथ ली है। वे अपने तरीके से शक्तिशाली सांसदों के रूप में उभरे हैं। कृष्णमूर्ति चीन कमिटी के रैंकिंग सदस्य हैं और हाउस इंटेलिजेंस कमिटी के भी सदस्य हैं। जयपाल प्रोग्रेसिव समूह की शक्तिशाली नेता हैं। खन्ना कई महत्वपूर्ण हाउस कमिटी के सदस्य हैं और भविष्य में राष्ट्रपति बनने की संभावना वाले नेता माने जाते हैं। ये छह भारतीय अमेरिकी एक अनौपचारिक समोसा कॉकस का हिस्सा हैं, जिसका नाम कृष्णमूर्ति ने रखा है। 2012 में पहली बार शपथ लेने पर डॉ. बेरा ने इच्छा जताई थी कि हाउस में 10 भारतीय अमेरिकी सांसद हों। कुछ भारतीय अमेरिकियों ने चुनावी दौड़ में हिस्सा लिया, लेकिन वे प्राइमरी या पांच नवंबर के आम चुनाव में हार गए। इनमें से कम से कम तीन महिलाएं थीं सुषिला जयपाल, भवानी पटेल और क्रिस्टल कौल।

संक्षिप्त समाचार

रिपब्लिकन माइक जश्नसन को फिर चुना गया अमेरिकी प्रतिनिधि सभा का स्पीकर, ट्रंप ने दी बधाई

रिपब्लिकन पार्टी के नेता और सांसद माइक जॉनसन को तीन मतों के मामूली अंतर की जीत के साथ अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर फिर से चुने गए। माइक जॉनसन ने तनावपूर्ण गतिरोध में कट्टर–दक्षिणपंथी जीओपी की पकड़ पर काबू पाते हुए पुनर्निर्वाचन में मामूली अंतर से जीत हासिल की। रिपब्लिकन पार्टी के पास सदन में 219 सीट हैं, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 215 सीट

हैं। लुइसियाना के चौथे ‘कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट’ का प्रतिनिधित्व करने वाले 52 वर्षीय जॉनसन को 218 वोट मिले, जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी के हकीम जेफ्रीज को 215 वोट मिले। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जॉनसन को दोबारा स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में अभूतपूर्व विश्वासमत प्राप्त करने के लिए स्पीकर माइक जॉनसन को बधाई। माइक एक बेहतरीन स्पीकर होंगे जिससे हमारे देश को लाभ होगा। जॉनसन ने चुनाव जीतने के बाद कहा कि यह मेरे लिए सम्मान की बात है। यह हमारे इतिहास का एक महत्वपूर्ण समय है। इसके तुरंत बाद उन्होंने 119वीं कांग्रेस के सदस्यों को शपथ दिलाई।

माइक जॉनसन कौन है?

माइक जॉनसन अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के 56वें घ्अध्यक्ष और कांग्रेस के रिपब्लिकन सदस्य हैं। उन्होंने शुक्रवार को 218 वोटों के साथ फिर से चुनाव जीता आवश्यक न्यूनतम संख्या – दो रिपब्लिकन विरोधियों ने घंटों की बातचीत के बाद अपना वोट उनके पक्ष में कर दिया। जॉनसन लुइसियाना के चौथे कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह अपने रूढ़िवादी मूल्यों के लिए जाने जाते हैं और 2017 से सदन में पद पर हैं। जॉनसन ने राष्ट्रीय स्तर पर तब ध्यान आकर्षित किया जब वह अपनी ही पार्टी के विरोध पर काबू पाते हुए एक नाटकीय मतदान में सदन के अध्यक्ष चुने गए। उनका चुनाव पिछले स्पीकर केविन मैक्कार्थी को एक ऐतिहासिक कदम के तहत पद से हटाए जाने के बाद हुआ।

भारत की यात्रा पर जाएंगे एनएसए सुलिवन : व्हाइट हाउस

अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। सुलिवन, पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी इस यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत–केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद संभालेंगे सांसद माइकल वाल्ट्ज। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने शुक्रवार अपराह्न संवाददाताओं को बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। अधिकारी ने बताया, ‘इस दौरान व्यापक मुद्दों पर चर्चा होगी, लेकिन रक्षा से लेकर अंतरिक्ष और कृत्रिम मेधा तक के क्षेत्रों में हमारे बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

‘2024 में रूस की कैद से 1358 यूक्रेनियन घर लौटे’, तनाव के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का बयान

कीव। रूस यूक्रेन के बीच 1000 से ज्यादा दिनों से चल रहे युद्ध में आए दिन कोई ना कोई बड़ी खबर सामने आती रहती है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि साल 2024 में हम अपने 1,358 लोगों को रूसी कैद से यूक्रेन वापस लाने में कामयाब रहे, जिसमें यूक्रेनी नागरिक और यूक्रेनी सैनिक शामिल हैं। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में कहा कि, रूस की कैद में बंद लोगों की परिस्थितियां अलग–अलग हैं, लेकिन वे सभी घर लौटकर उतने ही खुश हैं। साथ ही उन्होंने यूक्रेनी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन लोगों की घर वापसी के लिए एक बड़ी टीम ने काम किया।

2025 में अच्छी खबर के लिए करेंगे प्रयास–जेलेंस्की

जेलेंस्की ने यह भी कहा कि हमें 2025 में और भी अच्छी खबरें लाने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए, खासकर रूस के साथ संघर्ष को खत्म करने के लिए। इसके साथ ही जेलेंस्की ने रूस–यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन के सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी मदद के कारण ही यह सफलता मिल सकी।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।